मनी लॉन्ड्रिंग और अंडरवर्ल्ड कनेक्शन मामले में महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। ईडी की टीम बुधवार सुबह उनके आवास पहुंची थी। कुछ देर बाद ईडी नवाब मलिक को अपने दफ्तर ले गई थी।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 73 दिनांक: 24-02-2022 गुरूवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

रूस के टैंक पूर्वी यूक्रेन के डोनेस्क और लुहांस्क में दाखिल हो चुके हैं और रूसी सैनिक विद्रोहियों के साथ मिलकर यूक्रेन सेना के नियंत्रण वाले इलाके की ओर बढ़ रहे हैं। इस दौरान झड़प में छह यूक्रेनी सैनिकों के मारे जाने और कुछ के घायल होने की खबर है।

8 घंटे की पूछताछ के बाद महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को ईडी ने किया गिरफ्तार, मिली 3 मार्च तक ईडी की हिरासत

- ढाई घंटे तक कोर्ट में चली जोरदार जिरह

- महाराष्ट्र में गृह विभाग ने अलर्ट जारी किया

मुंबई, (ईएमएस)। आख़िरकार 8 घंटे की कड़ी पूछताछ और कोर्ट में करीब ढाई घंटे तक चली जोरदार जिरह के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता तथा महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट ने उन्हें 3 मार्च तक ईडी की हिरासत में रखने का आदेश दिया है। सूत्रों की मानें तो बुधवार तड़के साढ़े चार बजे ईडी के अधिकारी नवाब मलिक के निवास स्थान पर पहुंचे जहां सर्च किया, फिर कुछ दस्तावेज लेकर उन्हें अपने साथ दक्षिण मुंबई के ईडी के दफ्तर ले गए और करीब आठ घंटे की लंबी पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद मेडिकल चेकअप के लिए नवाब मलिक को जेजे अस्पताल ले जाया गया और फिर वहां से कोर्ट में पेश किया गया। जहां करीब ढाई घंटे तक जिरह चला। ईडी की ओर से वकील अनिल सिंह ने कोर्ट से 14 दिन की हिरासत मांगी थी। जिसके बाद कोर्ट में नवाब मलिक की ओर से वकील अमित देसाई ने कोर्ट में पक्ष रखा और कहा कि मलिक ने मनी लॉन्ड्रिंग नहीं किया है उनके खिलाफ आरोप गलत है। वकील देसाई ने कोर्ट से कहा कि नवाब मलिक के पास से ऐसा कोई सबूत ईडी को नहीं मिला है. ये मामला 20 वर्ष पुराना है, इतने दिन तक ईडी चुप क्यों रही ? इसके साथ ही देसाई ने कोर्ट में ये सवाल भी उपस्थित किया कि ईडी के पंचनामा के अनुसार बुधवार सुबह 6 बजे ईडी के अधिकारी नवाब मलिक के घर पहुंचे और सर्च के दौरान वहां से कोई सबूत नहीं मिला है तब उन्हें ईडी ने गिरफ्तार क्यों किया ? ये मामला वर्ष 2003 से पहले का है फिर 20 साल ईडी चुप क्यों रही. अचानक 3 फरवरी को एफआईआर क्यों दर्ज की गई. वकील देसाई ने कोर्ट से ये भी कहा कि नवाब मलिक एक जिम्मेदार मंत्री हैं उन्हें बेवजह बदनाम किया जा रहा है. मगर करीब ढाई घंटे तक तमाम दलील सुनने के बाद न्यायाधीश देर शाम करीब पौने आठ बजे कोर्ट रूम से निकलकर अपने चेंबर में चले गए उसके बाद न्यायाधीश करीब सवा घंटे बाद कोर्ट रूम में आये और उन्होंने मंत्री नवाब मलिक को 8 दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेजने का आदेश दिया। यानि 3 मार्च तक नवाब मलिक ईडी की हिरासत में रहेंगे। कोर्ट में नवाब मलिक की दोनों बेटी और परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। ईडी अधिकारियों का कहना है कि मामला अंडरवर्ल्ड से भी जुड़ा हुआ है। मलिक कई सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए थे, इसलिए उन्हें गिरफ्तार करना पड़ा। उधर राकांपा कार्यकर्ता मुंबई में प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय के बाहर इकट्ठा हुए और मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद नारे लगाए. इस दरम्यान वहां पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है.

- सुबह साढ़े चार बजे मलिक को घर से उठा कर पूछताछ के लिए लाया

बुधवार सुबह साढ़े चार बजे सीआईएसएफ के जवानों के साथ ईडी अधिकारी मुंबई के कुर्ला स्थित नूर मंजिल स्थित नवाब मलिक के निवास पर पहुंचे और उनसे थोड़ी देर बातचीत कर पूछताछ के लिए चलने को कहा. ईडी अधिकारी ने मालिक के घर से कुछ दस्तावेज भी अपने कब्जे में लिया. नवाब मलिक थोड़ी देर तक उनसे बातचीत करते रहे फिर तैयार हो कर उनके साथ ईडी कार्यालय के लिए निकल गए. नवाब मलिक काले रंग की इनोवा गाड़ी में निकले. नवाब मलिक के साथ उनके बेटे अमीर मलिक थे. सुबह 7 बज कर 45 मिटन में नवाब मलिक ईडी कार्यालय पहुंचे. पौने आठ बजे से तीन बजकर पांच मिनट तक ईडी अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की और फिर गिरफ्तार कर लिया. नवाब मलिक से कुर्ला की उस जमीन के संदर्भ में पूछताछ की गई, जिसे उन्होंने कई साल पहले कौड़ियों के दाम खरीदा था। यह आरोप पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मलिक पर लगाया था। कुछ महीने पहले देवेंद्र फडणवीस ने एक प्रेस कांफ्रेंस में मलिक पर गंभीर आरोप लगते हुए कहा था कि मलिक परिवार ने इस जमीन की कीमत को साढ़े तीन करोड़ रुपए दिखाए, ताकि स्टैम्प डयूटी कम भरनी पड़े। जब इसका पेमेंट करने की बात आई तब इसकी कीमत 25 रुपये प्रति स्क्वायर फुट की दर से बताई गई लेकिन पेमेंट 15 रुपये प्रति स्क्वायर फीट के रेट से किया गया। मलिक पर आरोप है कि उन्होंने यह जमीन अंडरवर्ल्ड के लोगों से खरीदी थी।

- नवाब मलिक बोले- लड़ेंगे और जीतेंगे

ईडी के अधिकारी जब उन्हें जेजे अस्पताल से मेडिकल परीक्षण के बाद ले जा रही थी तो मीडिया कर्मियों से बातचीत में नवाब मलिक ने कहा कि ये राजनीतिक साजिश है। हम लड़ेंगे और जीतेंगे भी।

- महाराष्ट्र में गृह विभाग ने अलर्ट जारी किया

मंत्री नवाब मलिक की गिरफ़्तारी के बाद समूचे महाराष्ट्र में गृह विभाग ने अलर्ट जारी किया है. जिसके बाद विभिन्न जगहों पर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है. खासकर मुंबई के कुर्ला इलाके में जहां नवाब मलिक का निवास स्थान है वहां पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है.

आनलाइन परीक्षा की मांग खारिज, ऑफलाइन ही होंगी 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने 10वीं और 12वीं बोर्ड की ऑफलाइन परीक्षाओं को लेकर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को ऑनलाइन कराने से इनकार कर दिया है। बुधवार को हुई सुनवाई में ऑफलाइन परीक्षाएं रद्द करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि अथॉरिटी परीक्षाओं को लेकर आगे बढ़ें। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में दखल नहीं देगा।

सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई कि ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई करने से व्यवस्था में और अधिक भ्रम पैदा होता है। पिछली बार का फैसला आदर्श नहीं बन सकता, ऐसी याचिकाएं छात्रों को झूठी उम्मीद देती हैं और कंफ्यूजन पैदा करती हैं, वे ऐसी याचिकाओं से गुमराह होंगे। आपकी याचिका पर विचार करने का मतलब है कि और ज्यादा कन्फ्यूजन पैदा करना है।

जस्टिस एएम खानविलकर, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस सीटी रविकुमार की बेंच ने कहा कि 'ये प्री मेच्योर याचिका है। अधिकारी पहले से ही तारीखों और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। यदि उन्हें अंतिम रूप देने के बाद कोई समस्या है तो पीड़ित पक्ष अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि आपको जो कहना है ऑथोरिटी को जाकर बताएं। ये गैरजिम्मेदाराना ढंग से जनहित याचिका का दुरुपयोग है। लोग भी कैसी कैसी याचिका दाखिल कर देते हैं।

बता दें कि वकील और बाल अधिकार कार्यकर्ता अनुभा सहाय श्रीवास्तव ने अर्ज़ी दाखिल कर ऑफलाइन परीक्षा के बजाए वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धति से कराने की मांग की थी। याचिका में सभी राज्य बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई की 10 वीं और 12 वीं बोर्ड शारीरिक तौर पर परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की गई थी। याचिका में सभी बोर्डो को समय पर परिणाम घोषित करने के लिए निर्देश देने और विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के कारण सुधार परीक्षा के विकल्प देने की भी मांग थी। याचिका में कहा गया है कि कोविड के कारण शारीरिक तौर पर कक्षाएं नहीं लगीं। ऐसे में बोर्ड की परीक्षाओं को ऑनलाइन कराया जाए।

यूक्रेन में घुसी रूस की सेना, छह सैनिक भी मारे, अमेरिका ने की एफ-35 की तैनाती, नाटो का भी सैन्य तैनाती बढ़ाने का फैसला

कीव । हर बीतते क्षण के साथ यूक्रेन का संकट बढ़ रहा है। अघोषित तौर पर यूक्रेन पर रूस का हमला हो चुका है। रूस के टैंक पूर्वी यूक्रेन के डोनेस्क और लुहांस्क में दाखिल हो चुके हैं और रूसी सैनिक विद्रोहियों के साथ मिलकर यूक्रेन सेना के नियंत्रण वाले इलाके की ओर बढ़ रहे हैं। इस दौरान झड़प में छह यूक्रेनी सैनिकों के मारे जाने और कुछ के घायल होने की खबर है। पता चला है कि रूस की योजना स्वतंत्र घोषित किए डोनेस्क और लुहांस्क के उन हिस्सों पर भी कब्जा करने की है जिन पर विद्रोहियों का कब्जा नहीं था। इसके चलते रूसी सैनिकों का यूक्रेन सेना के साथ टकराव होना तय है। प्रतिबंधों से रूसी सैनिकों के कदम न रुकते देख अमेरिका ने अब क्षेत्र में अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमान और अपाचे अटैक हेलीकाप्टर तैनात करने का फैसला किया है। आठ विमान और 32 हेलीकाप्टर बाल्टिक देशों-एस्टोनिया, लिथुआनिया और लातविया में तैनात किए जा रहे हैं।

नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) के इन तीन सदस्य देशों के अतिरिक्त अमेरिका व सहयोगी देश पोलैंड, रोमानिया और हंगरी में भी सैन्य तैनाती बढ़ा रहे हैं। जिन देशों में सैन्य तैनाती बढ़ाई जा रही है वे सभी रूस के पड़ोसी देश हैं। लेकिन इस सबसे बेपरवाह रूस यूक्रेन पर अपना दबाव बढ़ा रहा है। रूस ने बेलारूस में अपनी सैन्य तैनाती बढ़ा दी है और वहां पर अस्थायी सैन्य अस्पताल भी स्थापित कर दिया है। रूस में पहले से ही 30 हजार सैनिक मौजूद हैं। बेलारूस यूक्रेन का पड़ोसी देश है और उसकी सीमा से यूक्रेन की राजधानी कीव की दूरी सिर्फ 75 किलोमीटर है। माना जा रहा है कि रूसी सैनिकों का कीव पर हमला यहीं से होगा।

तेजी से बिगड़ते हालात के बीच यूक्रेन सरकार ने देश में आपातस्थिति लागू कर दी है और जरूरत पड़ने पर देश में कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है। राष्ट्रपति वोलोदोमीर जेलेंस्की ने रूसी सेना के बढ़ते कदमों को रोकने के लिए अमेरिका समेत सभी पश्चिमी देशों से रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की मांग की है। लेकिन नाटो में शामिल होने की यूक्रेन की इच्छा में कहीं से भी कमजोरी का भाव प्रतीत नहीं हो रहा है। सरकार ने रूस से टक्कर लेने का संकल्प जाहिर किया है। खतरे को बढ़ता देख देश के सभी राजनीतिक दल एकजुट होकर सरकार के साथ आ गए हैं। सरकार ने अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखने के लिए कर कम करने समेत कई कदमों का एलान किया है।

भारतीय समयानुसार सोमवार रात यूक्रेन के विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों को स्वतंत्र देश घोषित करने की रूसी राष्ट्रपति पुतिन की घोषणा से तनाव कम करने के कूटनीतिक प्रयासों को जोर का झटका लगा है। राष्ट्रपति जो बाइडन की रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की संभावना खत्म होने के साथ ही अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से गुरुवार को होने वाली मुलाकात रद कर दी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के प्रयास भी खटाई में पड़ गए हैं। रूसी कदम की निंदा करने के साथ ही उन्होंने मध्यस्थता के अपने प्रयास रोक दिए हैं।

रूसी सैनिकों के सीमा में दाखिल होने का असर यूक्रेन के जनमानस पर भी दिखाई दे रहा है। डोनेस्क और लुहांस्क के जिन इलाकों पर यूक्रेन की सेना का कब्जा है, वहां से लोगों का पलायन शुरू हो गया है। चंद रोज पहले तक मुकाबले का जोश दिखा रहे लोग अब सुरक्षा के लिए ठिकाने तलाश रहे हैं। राजधानी कीव, अन्य प्रमुख शहरों और सीमावर्ती इलाकों में लोगों में चिंता का भाव स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। बाजार और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लोगों की आमदरफ्त कम हो गई है। जरूरी सामानों की बिक्री बढ़ गई है और लोग सुरक्षित स्थानों पर जाने लगे हैं।

उप्र विस चुनाव-4थे चरण में 59 फीसदी मतदान, कई दिग्गजों का भाग्य ईवीएम में हुआ कैद

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में नयी विधानसभा के गठन के लिए हो रहे चुनाव के तहत बुधवार को चैथे चरण का छिटपुट शिकायतों के बीच मतदान हुआ। 4थे चरण में प्रदेश के नौ जिलों के 59 विधानसभा क्षेत्रों में औसतन 59 फीसदी मतदान हुआ। इस दौरान सबसे अधिक मतदान लखीमपुर जिले में करीब 63 फीसदी तथा सबसे कम उन्नाव जिले में करीब 55 प्रतिशत हुआ। हालांकि निर्वाचन आयोग ने इसे अभी अंतिम आंकड़ा नहीं कहा है। यह घट-बढ़ सकता है। मतदान के साथ ही 4थे चरण में चार मंत्रियों सहित 624 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतदाताओं ने ईवीएम में कैद कर दिया। साल 2017 में इन्हीं नौ जिलों की 59 सीटों में से 51 भाजपा गठबंधन के पास थीं। चार पर समाजवादी पार्टी तथा दो-दो पर बसपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी।

राज्य निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के अनुसार चैथे चरण में पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, बांदा व फतेहपुर में मतदाता सुबह से ही मतदान करने से लिए लाइन में लगे। 4थे चरण में 2.13 करोड़ मतदाता थे और कुल 624 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें 91 महिला प्रत्याशी हैं। इस चरण में 16 सीटें सुरक्षित हैं। 2017 में इन सीटों पर 62.55 प्रतिशत मतदान हुआ था। चैथे चरण में नौ जिलों की 59 विधानसभा क्षेत्रों में 59 प्रतिशत मतदान हुआ। पीलीभीत में 62, लखीमपुर खीरी में 63, सीतापुर में 59, हरदोई में 56, उन्नाव में 55, लखनऊ में 56, रायबरेली में 59, बांदा में 58 तथा फतेहपुर में 57 प्रतिशत मतदान हो गया था। मतदान के दौरान कई स्थानों पर ईवीएम खराब होने, मतदाता सूची में नाम ना होने तथा मतदान से रोकने जैसी शिकायतें मिलीं। उधर, लखीमपुर खीरी के कादीपुर में अराजकता, युवक ने ईवीएम पर फेवीक्विक डाल दिया। इसी दौरान कादीपुर क्षेत्र में एक युवक की अराजकता के कारण मतदान करीब करीब 15 मिनट तक बाधित रहा। आरोपित के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, पुलिस उसको गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। आनन-फानन में जिला प्रशासन ने ईवीएम बदलवा दी और करीब 15 मिनट बाद मतदान फिर से बहाल हुआ।

राजधानी लखनऊ से भाजपा सांसद तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में मतदान किया। राजनाथ सिंह ने अपनी पत्नी, बेटे नीरज तथा पुत्रवधू के साथ मतदान केन्द्र में जाकर अपने अधिकार का प्रयोग किया। वहीं बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भी लखनऊ में मतदान किया। माल एवेन्यू में बसपा मुखिया ने अपने आवास के पास ही लखनऊ मांटेसरी स्कूल में जाकर अपना वोट डाला। लखनऊ मांटेसरी स्कूल में सुबह से ही लाइन लगी थी, इसी बीच में मायावती ने भी लाइन में लगकर अपने अधिकार का प्रयोग किया।

4थे चरण में योगी आदित्यनाथ सरकार के चार मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। लखनऊ पूर्व से नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन व लखनऊ कैंट से कानून मंत्री ब्रजेश पाठक चुनाव मैदान में थे। रणवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी सिंह फतेहपुर की हुसैनगंज व सहयोगी दल अपना दल (सोनेलाल) कोटे से मंत्री जय कुमार सिंह जैकी बिंदकी सीट से अपनी किस्मत आजमा रहे थे। प्रवर्तन निदेशालय से नौकरी छोड़कर आए राजेश्वर सिंह लखनऊ की सरोजनीनगर से भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे। इस सीट से सपा सरकार में मंत्री रहे अभिषेक मिश्र उनको टक्कर देते दिखे। विधान सभा उपाध्यक्ष नितिन अग्रवाल इसी चरण में हरदोई से चुनाव मैदान में थे। साल 2017 के चुनाव में इन 59 सीटों में से 50 सीटें भाजपा के पास थीं। सपा के पास चार, कांग्रेस व बसपा के पास दो-दो सीटें ही थीं। एक सीट अपना दल के खाते में आई थी। वहीं, 2012 के विधान सभा चुनाव में सपा के खाते में 39 सीटें थीं। बसपा के पास 12, भाजपा के पास चार, कांग्रेस के पास तीन व पीस पार्टी के पास एक सीट थी।

गेहलोत ने सभी विधायकों को ब्रीफकेस और बजट की कॉपी के साथ आईफोन 13गिफ्ट किए

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए बुधवार को बजट पेश करने के बाद सभी विधायकों को ब्रीफकेस और बजट की कॉपी के साथ आईफोन 13गिफ्ट किए. पिछले साल विधायकों को एप्पल आईपैड दिए गए थे. वित्त वर्ष 2022-23 के बजट को चुनावी बजट के रूप में देखा जा रहा है.

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को बजट पेश करते हुए कई घोषणाएं कीं. बजट में बिजली पर सब्सिडी देने का ऐलान किया गया. 100 यूनिट प्रतिमाह बिजली का उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं को 50 यूनिट बिजली निःशुल्क मिलेगी.

इसके साथ ही राज्य कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा की गई. गहलोत ने कहा कि एक जनवरी 2004 और उसके पश्चात नियुक्त हुए समस्त कार्मिकों के लिए मैं आगामी वर्ष से पूर्व पेंशन योजना लागू करने की घोषणा करता हूं.''

शहरी गरीबों के लिए मनरेगा की तर्ज पर शहरी रोजगार योजना की घोषणा की गई. राज्य के इतिहास में पहली बार किसानों के लिए अलग बजट पेश किया गया. मुख्यमंत्री ने टूरिज्म और हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र को इंडस्ट्री का दर्जा देने का ऐलान किया.

राजस्थान सरकार अगले वित्त वर्ष में एक लाख सरकारी भर्तियां करेगी जबकि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत अब पांच लाख रुपये के बजाय दस लाख रुपये तक का बीमा कवर मिलेगा.

हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि राजस्व विभाग पर ग्रामीण लोगों की निर्भरता कम से कम हो: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण विकास पर केंद्रीय बजट के सकारात्मक प्रभाव पर एक वेबिनार को संबोधित किया। यह इस सीरीज का दूसरा वेबिनार है। इस अवसर पर संबंधित केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकारों के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने इस बात को दोहराते हुए अपने संबोधन की शुरुआत में कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास हमारी सरकार की पॉलिसी और एक्शन का प्रेरणा सूत्र है। प्रधानमंत्री ने कहा, ठआजादी का अमृत काल के लिए हमारे वादों को सभी के प्रयासों से ही पूरा किया जाएगा और हर कोई उस प्रयास को तभी कर पाएगा जब प्रत्येक व्यक्ति, वर्ग और क्षेत्र को विकास का पूरा लाभ मिलेगा।ठ प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में सरकार द्वारा, सैचुरेशन के इस बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप दिया गया है। उन्होंने कहा, ठबजट में पीएम आवास योजना, ग्रामीण सड़क योजना, जल जीवन मिशन, नॉर्थ ईस्ट की कनेक्टिविटी, गांवों की ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, ऐसी हर योजना के लिए जरूरी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा, ''बजट में जो वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम घोषित किया गया है, वो हमारे सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए बहुत अहम है।ठ

प्रधानमंत्री ने सरकार की प्राथमिकताओं पर विस्तार से बताया और कहा कि प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास पहल (पीएम-डिवाइन) से पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं शत-प्रतिशत सुनिश्चित होंगी। इसी तरह, स्वामित्व योजना के तहत 40 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिससे गांवों में आवासों और भूमि के उचित सीमांकन में मदद मिल रही है। विशिष्ट भूमि पहचान पिन जैसे उपायों से राजस्व अधिकारियों पर ग्रामीण लोगों की निर्भरता कम होगी। उन्होंने राज्य सरकारों से भूमि अभिलेखों और सीमांकन समाधानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए समय-सीमा के साथ काम करने को कहा। उन्होंने कहा, ठविभिन्न योजनाओं में शत-प्रतिशत कवरेज के लिए, हमें नई तकनीक पर ध्यान देना होगा, ताकि परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा किया जा सके और गुणवत्ता से भी समझौता नहीं हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत लगभग 4 करोड़ कनेक्शन देने का टारगेट हमने रखा है। इस टारगेट को हासिल करने के लिए आपको अपनी मेहनत और बढ़ानी होगी। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया करते हुए कहा कि जो पाइपलाइन बिछ रही हैं, जो पानी आ रहा है, उसकी क्वालिटी पर भी हमें बहुत ध्यान देने की ज़रूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा, ठइस योजना की एक मुख्य विशेषता है कि ग्राम स्तर पर स्वामित्व की भावना होनी चाहिए और 'जल शासन' को मजबूत किया जाना चाहिए। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए हमें 2024 तक हर घर में नल का पानी पहुंचाना है।''

चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा में एकतरफा बदलाव स्वीकृत नहीं - भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा को एकतरफा तौर पर बदलने के किसी भी प्रयास के लिए सहमत नहीं होगा। विदेशमंत्री एस। जयशंकर ने पेरिस में एक विचार मंच में एक संवाद सत्र में कहा कि वह बातचीत के माध्यम से इस मुद्दे को हल किए जाने को लेकर आशावादी हैं। विदेश मंत्री ने कहा है कि भारत, पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध पर चीन के साथ इस पूरी स्पष्टता के साथ बातचीत कर रहा है कि वह यथास्थिति में किसी भी बदलाव को स्वीकाए नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के सैन्य कमांडरों के बीच बातचीत के बाद टकराव वाले कई बिंदुओं को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

नवाब मलिक की गिरफ्तारी पर ममता बनर्जी ने शरद पवार से बात कर समर्थन जताया

कोलकाता/मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार से फोन पर बात की है। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में लंबी पूछताछ के बाद बुधवार को मलिक को गिरफ्तार किया।

यह कॉल करीब 10 मिनट चली। इस दौरान, तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी ने समर्थन और एकजुटता व्यक्त की।

सूत्रों ने बताया कि पवार ने ममता बनर्जी पूछा कि क्या उन्होंने नारदा मामले के सिलसिले में पिछले साल सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए अपने मंत्रियों को निलंबित किया था। ममता बनर्जी ने पवार को नवाब मलिक को सरकार से न हटाने की सलाह दी है।

दोनों नेताओं ने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ विपक्ष की एकता का आह्वान किया। मुंबई अंडरवर्ल्ड, भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके गुर्गों की गतिविधियों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने पूछताछ के बाद नवाब मलिक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद मंत्री नवाब मलिक ने कहा, 'मुझे अरेस्ट किया गया है, लेकिन मैं डरूंगा नहीं। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। सबको एक्सपोज करेंगे।'

रूसी हमले के खतरे को देखकर अमेरिका ने पोलैंड में तैनात किया अपना जंगी बेड़ा

32 अपाचो हेलिकॉप्टर, 8 अत्याधुनिक एफ-35 फाइटरजेट भेज दिए

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूसी हमले के खतरे को देखकर अमेरिका ने पोलैंड में 9 हजार सैनिकों को भेजने के बाद 32 अपाचे हेलिकॉप्टर, 8 अत्याधुनिक एफ-35 फाइटरजेट और 800 अतिरिक्त सैनिक भेज दिए हैं। उड़ता टैंक कहलाने वाले अपाचे हेलिकॉप्टर जर्मनी और ग्रीस से भेज हैं। रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका अपने जंगी हथियारों और सैनिकों को पूर्वी यूरोप की ओर ले जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 800 अमेरिकी सैनिकों को लिथुआनिया, लाटविया और इस्टोनिया भेजा रहा है। अमेरिका अपने सबसे आधुनिक एफ-35 फाइटर जेट को नाटो देशों में तैनात करने जा रहा है। अमेरिका के अपाचे हेलिकॉप्टर को बाल्टिक देशों और पोलैंड में तैनात कर रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने कहा, अतिरिक्त सैन्यकर्मियों को नाटो सहयोगियों को गारंटी देने के लिए एक जगह से दूसरी जगह पर तैनात किया गया है। ये सैनिक नाटो देशों पर होने वाले किसी भी हमले का जवाब देने और ट्रेनिंग देने का काम करने वाले है।

इसके पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अतिरिक्त सैन्य उपकरणों को बाल्टिक देशों में भेजने का आदेश दिया था। बाइडेन ने कहा कि रूस के बेलारूस से सेना को नहीं हटाने के बाद मैंने अतिरिक्त सैनिकों और उपकरणों की तैनाती का आदेश दिया है जो पहले से ही यूरोप में मौजूद हैं। इससे बाल्टिक देशों की सुरक्षा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से रक्षात्मक कदम है और हम इसके जरिए रूस को संदेश देना चाहते हैं।

इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि यूक्रेन पर आक्रमण की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 'सभी के साथ योजना' की थी। उन्होंने स्थिति को 'निर्मित संकट' बताया।

नाटो प्रमुख ने कहा, पुतिन के कदम से बढ़ेगा और तनाव

वाशिंगटन (ईएमएस)। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेंस स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि रूस यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के मॉस्को के फैसले की निंदा की। स्टोलटेनबर्ग ने पुतिन के कदम को ''तनाव बढ़ाने वाला और अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। नाटो प्रमुख ने कहा कि इससे हर संकेत'' मिल रहा है कि रूस यूक्रेन पर व्यापक स्तर पर हमला करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि नाटो सहयोगियों ने 100 युद्धक विमानों को हाई अलर्ट पर रखा है और आर्कटिक सर्कल से भूमध्य सागर तक 120 से अधिक युद्धपोत समुद्र में तैयार हैं। इस बीच, रूसी सांसदों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को देश के बाहर सैन्य बल प्रयोग करने की अनुमति दे दी।

अमेरिका ने कहा है कि यूक्रेन पर पहले ही हमला हो चुका है। रूसी संसद के ऊपरी सदन 'फेडरेशन काउंसिल' ने रूस से बाहर सैन्य इस्तेमाल की पुतिन को अनुमति देने के लिए सर्वसम्मति से वोट दिया। इससे पूर्वी यूक्रेन में विद्रोही क्षेत्रों में रूसी सैन्य तैनाती को औपचारिक रूप प्रदान हो गया। इन क्षेत्रों में आठ वर्ष पुराने संघर्ष में करीब 14,000 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले, पश्चिमी देशों के नेताओं ने कहा कि रूस के सैनिक यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में पहुंच गए हैं। अमेरिका ने पूर्वी यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती का जिक्र करते हुए रूस के कदम को आक्रमण करार दिया है। अमेरिका यूक्रेन संकट के शुरू में इस शब्द का इस्तेमाल करने से हिचकिचाता रहा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि इस कदम के परिणामस्वरूप अमेरिका रूस पर कड़ी पाबंदियां लगाएगा।

इसके पहले दिन में कई पश्चिमी देशों के नेताओं ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के विद्रोहियों के नियंत्रण वाले इलाकों की स्वतंत्रता को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा मान्यता दिए जाने के बाद रूसी सैनिक इन इलाकों में प्रवेश कर गए हैं, लेकिन कुछ नेताओं ने कहा कि यह यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण के समान नहीं है। बेलारूस, कजाकिस्तान, अजरबैजान और आर्मेनिया सहित रूस के निकट सहयोगी पूर्वी यूक्रेन में विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के मॉस्को के फैसले को तत्काल समर्थन देने से हिचकिचाते नजर आए।

कार्टून कोना

यूक्रेन पर रूसी सैनिकों की तैनाती को आक्रमण कह रहा अमेरिका!

वाशिंगटन (ईएमएस)।व्हाइट हाउस ने पूर्वी यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती का जिक्र करते हुए रूस के इस कदम को अब आक्रमण करार दिया है। अमेरिका यूक्रेन संकट के प्रारंभ में इस शब्द का इस्तेमाल करने से हिचकिचाता रहा है। वहीं राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि इस कदम के परिणामस्वरूप अमेरिका रूस पर पाबंदियों को और कड़ा कर सकता है। इससे पहले मंगलवार को कई पश्चिमी देशों के नेताओं ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के विद्रोहियों के नियंत्रण वाले इलाकों की स्वतंत्रता को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा मान्यता दिए जाने के बाद रूसी सैनिक इन इलाकों में प्रवेश कर गए हैं लेकिन कुछ नेताओं ने संकेत दिया कि यह यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण के समान नहीं है। हालांकि व्हाइट हाउस ने अपने रुख में बदलाव के संकेत दिए हैं। प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर का मानना है कि यह आक्रमण की शुरुआत है। यूक्रेन पर रूस से नए आक्रमण की शुरुआत। अमेरिका के एक अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा कि व्हाइट हाउस ने जमीनी स्थिति को देखते हुए रूस की कार्रवाई को आक्रमण कहना शुरू किया है। बाइडन ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा करते हुए कहा था कि अगर पुतिन आगे कोई कदम उठाते हैं तो प्रतिबंध और कड़े किए जाएंगे।

बाइडन ने पश्चिम देशों से रूस को वित्त उपलब्धता पर लगाई पाबंदी

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पश्चिमी देशों के साथ व्यापार करने की रूसी क्षमताओं को निशाना बनाकर कई प्रतिबंधों की घोषणा की है। साथ ही, जोर देकर कहा है, कि पूर्वी यूक्रेन में सैनिकों को आदेश देने का उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन का फैसला अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। यूक्रेन के खिलाफ रूस के कदम को लेकर अमेरिकी प्रतिबंधों की पहली सूची की घोषणा कर बाइडन ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई रूस की सरकार को पश्चिमी देशों से वित्त की उपलब्धता को रोक देगी। अमेरिका ने रूस के दो बड़े वित्तीय संस्थानों, रूसी सरकारी रिण और रूसी संभ्रांत लोगों तथा उनके परिवार के सदस्यों पर प्रतिबंध लगाया है।

व्हाइट हाउस से जारी संक्षिप्त आदेश में बाइडन ने घोषणा की थी कि वह बाल्टिक राष्ट्रों में अमेरिकी सहयोगियों को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिक तथा साजो सामान भेज रहे हैं, लेकिन स्पष्ट कर दिया कि वे वहां रूस से लड़ने के लिए नहीं होगा। बाइडन ने डोनेट्स्क और लुहान्स्क में रूसी सैनिक भेजने के आदेश सहित पुतिन की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। यह दोनों क्षेत्र, पूर्व यूक्रेन में अलगाववादियों के कब्जे में हैं। बाइडन ने कहा, ''मेरे विचार से वह और अधिक क्षेत्र को बल पूर्वक अपने कब्जे में करने का आधार तैयार कर रहे हैं। और यदि हम बीती रात के उनके भाषण को सुनें,तब वह और भी आगे बढ़ने का औचित्य स्थापित कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, यह यूक्रेन में रूसी आक्रमण की शुरूआत है जैसा कि उन्होंने संकेत दिया है और डयूमा (रूसी संसद) से ऐसा करने की अनुमति मांगी।''

इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने रूसी समकक्ष के साथ होने वाली बैठक रद्द कर कहा कि रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण की शुरुआत कर दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के फॉगी बॉटम मुख्यालय में यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ब्लिंकन ने कहा कि दुनिया को, रूस को उन अपराधों के लिए दंडित करने के लिए अपनी पूरी आर्थिक शक्ति के साथ जवाब देना चाहिए, जो उसने पहले ही किए हैं या जिन्हें करने की वह योजना बना रहा है।

जन हितैषी

मानसून का अनुमान

भारत की प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट ने 2022 के शुरुआती मानसून का अनुमान लगाया है। स्काईमेट ने बताया कि बीते दो सालों के मुकाबले 2022 का मानसून सामान्य रहेगा। इसकी रिपोर्ट एजेंसी अप्रैल में मौसम के मिजाज को देखते हुए जारी करेगी। मानसून सीजन कैसा रहेगा, यह ला नीना घटनाओं से तय होता है। पिछले 2 मानसून सीजन में एक के बाद एक कई ला नीना घटनाएं हुई, जिनके कारण देशभर में मानसून असामान्य रहा। स्काईमेट के मुताबिक ला नीना घटनाएं अब कम होने लगी हैं। इसका सीधा असर इस साल मानसून पर पड़ेगा। पूरे भारत में चार महीनों के दौरान औसत 880.6 मिलीमीटर बारिश होती है, जिसे लॉन्ग पीरियड एवरेज कहते हैं। स्काईमेट इसे ही औसत मानकर चलती है। यानी बारिश का यह आंकड़ा 100 फीसदी माना जाता है। इस साल 907 मिलीमीटर बारिश होने की संभावना है। 2021 में मानसून के दौरान 177.7 मिमी बारिश हुई। यह सामान्य से 43.54 फीसदी ज्यादा है। 2020 में देश में 124.8 मिमी बारिश हुई थी। यह सामान्य से 0.64 फीसदी ज्यादा थी। अल नीनो जलवायु प्रणाली का एक हिस्सा है। यह मौसम पर बहुत गहरा असर डालता है। इसके आने से दुनियाभर के मौसम पर प्रभाव दिखता है और बारिश, ठंड, गर्मी सब में अंतर दिखाई देता है। राहत की बात यह है कि ये दोनों ही हालात हर साल नहीं, बल्कि 3 से 7 साल में दिखते हैं। अल नीनो के दौरान, मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होता है। पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली हवाएं कमजोर पड़ती हैं और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में रहने वाला गर्म सतह वाला पानी भूमध्य रेखा के साथ पूर्व की ओर बढ़ने लगता है। इस प्रक्रिया को समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र (जैविक, भौतिक तथा रासायनिक) के विकास में सहायक (असिस्टेंट) कहा जाता है। सामान्य बारिश की शुरुआती भविष्यवाणी को भी सुखद माना जा सकता है। यह देश के कृषि क्षेत्र के साथ-साथ समूची अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक बात है। कृषि क्षेत्र की हालत अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करती है। मानसून को लेकर स्काईमेट का इस साल का पहला अनुमान है। रिजर्व बैंक भी अपनी मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को लेकर जो कदम उठाता है उसमें मानसून संबंधी आकलन एक बड़ा और महत्वपूर्ण पहलू होता है। महंगाई का ग्राफ किधर जाएगा, यह भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर करता है। यह लगातार तीसरा साल है जब सामान्य मानसून की भविष्यवाणी की गई है। कई बार ऐसा भी हुआ है कि मानसून को लेकर मौसम विभाग की भविष्यवाणी सटीक साबित नहीं हुई। 2005 से 2017 के दौरान सात बार ऐसा हुआ जब मौसम विभाग की भविष्यवाणियां खरी नहीं उतरीं। अनुमानित और वास्तविक बारिश में कई बार खासा फर्क देखने को मिलता है। इससे सबसे ज्यादा निराशा किसान को होती है जो अच्छी पैदावार की आस लगाए रहता है। अर्थव्यवस्था भी इससे अछूती नहीं रहती। पैदावार अच्छी होने से कीमतों पर नियंत्रण बना रहता है। याद हो जब 2009 में मानसून गड़बड़ा गया था तो भारत को चीनी का आयात करना पड़ गया था। कृषि अर्थव्यवस्था मानसून पर टिकी होती है। देश के ज्यादातर राज्यों में अधिकांश किसान इतने गरीब हैं कि बैंकों और साहूकारों से कर्ज लेकर खेती करते हैं। ऐसे में अगर मानसून दगा दे जाए तो फसलें चौपट होने में देर नहीं लगती। किसान कर्ज के भारी बोझ तले दब जाते हैं। पिछले कई सालों में हजारों किसान सिर्फ इसीलिए मौत को गले लगा चुके हैं कि वे कर्ज नहीं चुका सकते थे। अच्छी बारिश होगी, तो रिस कर भूजल के रिक्त होते भंडार को भी सहारा देगी। अगर वर्षाजल संचयन का अभियान बड़े पैमाने पर चलाया जाए, तो अच्छे मानसून का कहीं अधिक टिकाऊ लाभ उठाया जा सकता है।

जनाधार बढ़ा सकती है कांग्रेस पार्टी

देश के पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी है। इन पांच राज्यों में से उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी चार राज्यों में कांग्रेस पार्टी मुख्य चुनावी मुकाबले में है। फिलहाल पांच में से चार राज्यों में भाजपा व पंजाब में कांग्रेस पार्टी का शासन है। कांग्रेस पार्टी इन सभी पांच राज्यों में बेहतर प्रदर्शन करके अपने घटते जनाधार को रोक सकती है। पंजाब के साथ ही उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर में कांग्रेस के फिर से सरकार बनाने की संभावनाएं बताई जा रही है।

2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने जहां भारी बहुमत से पंजाब में अपनी सरकार बनाई थी। वहीं गोवा व मणिपुर में सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद अपनी रणनीतिक चूक के चलते सरकार बनाने से रह गई थी। इस बार कांग्रेस पार्टी को अपने प्रभाव वाले प्रदेशों में पहले से ही ऐसी सुदृढ़ रणनीति बनानी होगी। जहां बहुमत के करीब होने पर अपनी सरकार का गठन कर सके। ना कि पिछली बार की तरह बहुमत के करीब होने के बावजूद सत्ता से दूर रह जाए।

2017 के विधानसभा चुनाव के चुनावी नतीजों का विश्लेषण करें तो गोवा में कांग्रेस पार्टी ने 40 में से 36 सीटों पर चुनाव लड़कर 17 सीटें जीती थी। वहां कांग्रेस को दो लाख 59 हजार 758 वोट यानि 28.4 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि वहां भाजपा मात्र 13 सीटों पर ही जीत पाई थी। उसके उपरांत भी कांग्रेस के प्रभारी महासचिव दिग्विजय सिंह की ढिलाई के चलते सत्ता के नजदीक पहुंच कर भी कांग्रेस सरकार बनाने से चूक गई थी। इस बार गोवा में कांग्रेस ने गोवा फारवर्ड पार्टी से चुनावी गठबंधन कर चुनाव लड़ा है।

हालांकि गोवा में कांग्रेस को कई दिग्गज नेताओं के पार्टी छोड़ने से झटके भी लगे हैं। चार बार मुख्यमंत्री व 50 साल तक विधायक रह चुके प्रतापसिंह राणे इस बार पर्ये विधानसभा सीट पर कांग्रेस टिकट मिलने के बावजूद भाजपा से अपनी पुत्रवधू डॉ दिव्या रानी के उम्मीदवार बनने पर उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। इससे कांग्रेस को बैकफुट पर आना पड़ा। जबकि कांग्रेस इस बार गोवा में अपनी पार्टी की सरकार बनाने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आ रही है।

उत्तराखंड में भी कांग्रेस सरकार बनाने के प्रति काफी आशान्वित हैं। इससे वहां भी अभी से मुख्यमंत्री पद के दावेदारो में खींचतान शुरू हो गई है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 70 में से मात्र 11 सीटें ही जीत सकी थी। उस वक्त कांग्रेस के मुख्यमंत्री हरीश रावत हरिद्वार ग्रामीण व किच्छा दोनों विधानसभा सीटों से चुनाव हार गए थे। 2017 में कांग्रेस को 16 लाख 65 हजार 64 यानी 33.5 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व उत्तराखंड कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा में शामिल हो गए थे। जिससे कांग्रेसी को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। इस बार भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे किशोर उपाध्याय व महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सविता आर्य भाजपा में शामिल हो गई है। उसकी भरपाई के लिए कांग्रेस ने यशपाल आर्य व उनके पुत्र संजीव आर्य को भाजपा छोड़कर फिर से कांग्रेस में शामिल करवा लिया था।

मणिपुर में 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 60 में से 28 सीटें जीती थी। वहीं भाजपा ने मात्री 21 सीटें जीती थी। मगर कांग्रेस के नेताओं की कमजोरी के चलते वहां भाजपा की सरकार बन गई थी। उस चुनाव में कांग्रेस को 35.10 प्रतिशत वोट मिले थे। मणिपुर में सरकार बनाने को लेकर कांग्रेसी इस बार पूरी सतर्क नजर आ रही है। कांग्रेस इस बार मणिपुर में सरकार बनाने का कोई भी अवसर छोड़ना नहीं चाह रही है। क्योंकि पूर्वोत्तर में कभी कांग्रेस का एकछत्र राज होता था। मगर आज वहां के सभी आठों प्रदेशों में कांग्रेस सत्ता से बाहर है। इसलिए मणिपुर के रास्ते कांग्रेस एक बार फिर पूर्वोत्तर में अपना वर्चस्व स्थापित करने का पूरा प्रयास कर रही है।

कांग्रेस के लिए इस बार पंजाब में बड़ी संघर्षपूर्ण स्थिति हो रही है। 2017 में कांग्रेस ने 117 में से 77 सीटें जीती थी तथा 38.50 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। उस वक्त कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस के एक छात्र नेता होते थे। मगर अब पंजाब में कांग्रेस की स्थिति एकदम से बदल गई है। कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस से बाहर होकर भाजपा के साथ गठबंधन कर अपनी अलग पार्टी बना कर उससे चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है। पंजाब में कांग्रेस को अरविंद केजरीवाल की आप पार्टी, अकाली दल बादल व भाजपा, कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोग कांग्रेस व सुखबीर सिंह ढींडसा के संयुक्त अकाली दल के गठबंधन के साथ चतुष्कोणीय मुकाबला करना पड़ रहा है। अपने सबसे मजबूत प्रदेश पंजाब में कांग्रेस को कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। यदि पंजाब कांग्रेस के नेता एकजुट होकर मैदान में उतरते हैं तो कांग्रेस के लिए फिर से सरकार बनाने की संभावना बन सकती है।

देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अपनी उपस्थिति बनाए रखने की लड़ाई लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर 114 सीटों पर चुनाव लड़ा था। मगर महज 7 सीटें ही जीत पाई थी। उस चुनाव में कांग्रेस को 54 लाख 16 हजार 540 यानी 6.25 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी काफी लंबे समय से उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रही हैं। उसी के चलते इस बार कांग्रेस अकेले ही अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरी है। कांग्रेस ने बड़ी संख्या में महिलाओं, अल्पसंख्यकों को भी टिकट दिया है। यदि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कुछ बड़ा कर पाने में सफल रहती है तो पूरे देश में कांग्रेस के लिए अच्छी संभावनाएं बनने के आसार हो जाएंगे। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रदर्शन पर प्रियंका गांधी की भी राजनीति का भविष्य टिका हुआ है। क्योंकि प्रियंका गांधी ने अपना पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर ही कर रखा है।

पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव में कुल 690 विधानसभा सीटें हैं। जिनमें कांग्रेस ने पिछली बार 140 सीटें जीती थी। वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में इन पांच राज्यों की 102 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस ने पंजाब में 8 उत्तर प्रदेश व गोवा में एक-एक सीटें जीती थी। पिछले विधानसभा व लोकसभा चुनाव में इन पांच राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन ज्यादा अच्छा नहीं रहा था। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस पार्टी का पूरा वर्चस्व इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव पर ही टिका हुआ है।

यदि कांग्रेस पार्टी इस बार के चुनाव में पहले से अच्छा प्रदर्शन कर दिखाती है तो कांग्रेस के लिए पूरे देश में संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं। कैप्टन अमरेंद्र सिंह के जाने के बाद कांग्रेस को पंजाब में कुछ बड़ा कर दिखाना होगा। तभी पार्टी छोड़कर जा रहे नेताओं के पलायन पर रोक लग सकेगी व कांग्रेस फिर से मुख्यधारा में शामिल हो पाएगी। इन पांच राज्यों के चुनाव कांग्रेस के लिये किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं। जिसमें चूकने का मतलब है सब कुछ समाप्त हो जाना। ऐसे में चुनाव जीतने के लिये पार्टी के नेताओं को पूरा दम लगा कर काम करना होगा। (लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा / ईएमएस)

खेल - समाचार

आईसीसी रैंकिंग में वेंकटेश और सूर्यकुमार ने लगायी छलांग

दुबई (ईएमएस)। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी है। इन दोनो को ही वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। सूर्यकुमार ने रैंकिंग में 35 जबकि वेंकटेश ने 203 अंकों की लंबी छलांग लगाई है। इसी के साथ ही सूर्यकुमार अब रैंकिंग में 21वें और वेंकटेश 115वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन को भी 5 स्थान का फायदा मिला है और वह 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया के एश्टन एगर चार स्थान ऊपर आकर गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष-10 में पहुंच गए। वह फिलहाल 645 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-9 पर हैं।

वहीं आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में काइल जैमीसन पहली बार शीर्ष तीन में पहुंचे हैं। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट के बाद जैमीसन और तेज गेंदबाज टिम साउथी नंबर 3 और नंबर 5 स्थान पर आये हैं। जैमीसन अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 825 रेटिंग अंक पर पहुंच गये हैं।

हसरंगा फिर पॉजिटिव पाये गये , भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

मेलबर्न (ईएमएस)। भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरु हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा कोविड-19 से संक्रमित होने कारण भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से बाहर हो गये हैं। वानिंदु को एक और जांच में पॉजिटिव पाया गया है। जिसके बाद से ही उनके पृथकवास की अवधि भी बढ़ा दी गयी है। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने कहा, ' हसरंगा कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद से ही पृथकवास पर हैं और गत दिवस हुए रैपिड एंटीजन टेस्ट में भी वह पॉजिटिव पाये गये थे।' इसके बाद आरटीपीसीआर जांच में भी उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

गौरतलब है कि भारत आने से पहले श्रीलंकाई टीम ऑस्ट्रेलिया गयी थी। तभी हसरंगा वहां 15 फरवरी को हुए रैपिड एंटीजन टेस्ट में पॉजिटिव आए थे। उस समय श्रीलंकाई टीम ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही थी। हसरंगा इसके बाद कैनबरा से मेलबर्न लाये गये और तभी से वह यहां पृथकवास में हैं। उन्हें आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट के नेगेटिव आने तक पृथकवास में ही रहना होगा।

मेदवेदेव , नडाल मैक्सिको ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

अकापुल्को (ईएमएस)। रुस के स्टार खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। मेदवेदेव ने फ्रांस के बेनोइट पायर को 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर प्रवेश करने के साथ ही नंबर एक रैंकिंग हासिल करने का अपना अभियान जारी रखा है। मेदवेदेव अगर यहां खिताब जीतने में सफल रहता है तो वह सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की जगह विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उप विजेता रहे मेदवेदेव पहली बार मैक्सिको ओपन में खेल रहे हैं।

मेदवेदेव अगर यह टूर्नामेंट जीत जाते हैं या फाइनल में पहुंचते हैं , वहीं दूसरी ओर और जोकोविच दुबई ओपन में हार जाते हैं तो मेदवेदेव साल 2004 के बाद नंबर एक पर पहुंचने वाले पांचवें खिलाड़ी बन जाएंगे। गौरतलब है कि पिछले 18 वर्षों में जोकोविच, रोजर फेडरर, राफेल नडाल और एंडी मर्रे ही अबतक शीर्ष पर पहुंचे हैं। मेदवेदेव को यहां खिताब के एक अन्य दावेदार स्पेन के नडाल से सेमीफाइनल में मुकाबला करना पड़ सकता हैहोगा। नडाल ने डेनिस कुडला को 6-3, 6-2 से हराकर शानदार शुरुआत की है। नडाल को अब दूसरे दौर में स्टीफन कोज़लोव से खेलना है।

मेदवेदेव पहली बार यहां नडाल से खेल सकते हैं। वहीं अन्य मैचों की बात करें तो यूनान के स्टेफनोस सिटसिपास ने लास्लो जेरे को 7-6(7), 7-6(4) से हराया। एक अन्य मुकाबले में टॉमी पॉल ने पांचवीं वरीयता प्राप्त मैटियो बेरेटिनी के दूसरे सेट में पेट दर्द के कारण हट जाने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाई जबकि योशिहितो निशियोका ने फेलिसियानो लोपेज को 2-6, 6-0, 6-4 से हराया।

एकता , नीरज सहित छह पैरा खिलाड़ी टॉप्स में शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। खेल मंत्रालय ने 2024 के पेरिस ओलंपिक के साथ ही अन्य बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए छह पैरा खिलाड़ियों को लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के 'कोर ग्रुप' में शामिल किया गया है। जिन खिलाड़ियों को टॉप्स के कोर ग्रुप में शामिल किया गया गया है। वे हैं एकता भयन, नीरज यादव, निमिषा सी सुरेश और राधा वेंकटेश (पैरा एथलेटिक्स), प्राची यादव (पैरा डोंगीचालन) और परमजीत कुमार (पैरा पावरलिफ्टिंग)।

खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने एक बैठक में इन खिलाड़ियों को शामिल किये जाने को अपनी मंजूरी दी। इस बैठक में पूर्व फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया, लंबी कूद की एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज और बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुर्गंडे सहित विभिन्न महासंघों के प्रतिनिधियों और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा शामिल थे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक संदीप प्रधान ने इस बैठक की अध्यक्षता की थी।

वहीं बैडमिंटन खिलाड़ियों अश्मिता चालिहा, अदिति भट, और युगल खिलाड़ियों एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला, विष्णुवर्धन गौड़ और कृष्ण प्रसाद, पुलेला गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली तथा शिखा गौतम और अश्विनी भट्ट को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 43.50 लाख रुपये की सहायता को मंजूरी दी गयी है। वहीं टेबल टेनिस खिलाड़ियों मनिका बत्रा, अर्चना कामत, पायस जैन, यशस्विनी घोरफड़े, सुहाना सैनी और दीया चितले को 8.5 लाख रुपये से अधिक दिये जाएंगे।

इसके अलावा मिशन ओलंपिक सेल ने स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु के मार्च और अप्रैल में जर्मन ओपन, ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप, स्विस ओपन और कोरियाई ओपन के दौरान अपने फिटनेस ट्रेनर श्रीकांत की यात्रा और ठहरने का खर्च उठाने का जो आग्रह किया था उसे भी मान लिया गया है। वहीं इसी प्रकार अनुभवी खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भी इन टूर्नामेंटों के लिए अपनी फिजियोथेरेपिस्ट आयशा के लिए यात्रा और रहने का खर्च उठाने को कहा था जिसे भी मान लिया गया है।

महिला हॉकी प्रो लीग मुकाबले में सविता होंगी भारतीय टीम की कप्तान

एक्का होंगी उपकप्तान , फारवर्ड संगीता कुमारी भी शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम इस माह भुवनेश्वर में स्पेन के खिलाफ 26 और 27 फरवरी को होने वाले एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग मुकाबले में अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की कप्तानी में उतरेगी क्योंकि नियमित कप्तान रानी रामपाल अब भी फिट नहीं हो पायी हैं। पूनिया के अलावा स्पेन के खिलाफ होने वाले मैचों के लिए सविता के साथ दीप ग्रेस एक्का को उप कप्तान बनाया गया है। इस टीम में झारखंड की युवा फारवर्ड संगीता कुमारी को भी शामिल किया गया है जो अगले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण कर सकती हैं। वहीं हॉकी इंडिया के चयनकर्ताओं ने इन दो मैचों के लिए रश्मिता मिंज, अक्षता अबसो ढेकाले, सोनिका, मारियाना कुजूर और ऐश्वर्या राजेश चौहान को भी स्टैंड बाय खिलाड़ियों के रूप में रखा है। भारतीय टीम की मुख्य कोच यानेक शोपमैन ने कहा, 'हम स्पेन के खिलाफ अपने घरेलू प्रो लीग मैचों को लेकर उत्साहित हैं। ओमान से लौटने के बाद हमने अच्छा अभ्यास किया और मुझे विश्वास है जिन 22 खिलाड़ियों का चयन किया गया है वे स्पेन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार रहेंगी।' है :

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः सविता (कप्तान), बिचु देवी खरीबाम, रजनी एतिमारपू।

रक्षापंक्ति : दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान), गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी। मध्यपंक्ति : निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, ज्योति, मोनिका, नेहा, नवजोत कौर, नमिता टोप्पो। अग्रिम पंक्ति : वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, राजविंदर कौर। स्टैंडबायः रश्मिता मिंज, अक्षता अबसो ढेकाले, सोनिका, मारियाना कुजुर, ऐश्वर्या राजेश चौहान।

अमेरिका की ओर से खेलना चाहते हैं नेमार

साओ पाउलो (ईएमएस)। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार आने वाले समय में अमरीका की ओर से खेलना चाहते हैं। नेमार ने हाल में पेरिस सेंट जर्मेन क्लब (पीएसजी) के साथ अपना करार साल 2025 तक के लिए बढ़ाया था। नेमार ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि मैं फिर से ब्राजील की ओर से खेलूंगा या नहीं। मेरी इच्छा अब अमरीका में खेलने की है। मैं कम से कम एक सत्र के लिए वहां खेलना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'ब्राजील में खेलने को लेकर मैं नहीं जानता। कुछ अवसरों पर मुझे लगता है कि वहां खेलना चाहिए पर कभी मैं ऐसा नहीं चाहता।' वहीं संन्यास को लेकर नेमार ने कहा कि वह अपने दोस्तों से मजाक में कहते रहे हैं कि वह 32 साल की उम्र में संन्यास लेंगे पर सही बात यह है कि मानसिक रूप से जब तक वह नहीं थक जाते खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा शरीर अभी कुछ साल तक खेलने के लिए फिट रहेगा पर मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी है। खेलने के लिए कोई तय उम्र नहीं होती है।' नेमार ने कहा कि अब ब्राजील की ओर से राष्ट्रीय टीम में खेलने पर वैसा महत्व नहीं मिलता जो पहले मिलता था। अब प्रशंसक टीम से दूर हो गये हैं हालांकि यह कैसे हुआ वह नहीं जानते।

भारत बने धर्म-सापेक्ष

भारत को धर्म-निरपेक्ष नहीं, धर्म-सापेक्ष राष्ट्र बनाएं, यह बात मैं कई दशकों से कहता रहा हूं लेकिन इसी बात को बलपूर्वक कहकर जैन मुनि विद्यासागरजी महाराज ने इस धारणा में चार चांद लगा दिए हैं। विद्यासागरजी दिगंबर जैन मुनि हैं। उनकी मातृभाषा कन्नड़ है, लेकिन हिंदी और संस्कृत में उन्होंने विलक्षण दर्शन ग्रंथों की रचना की है। उनके प्रति सभी जैन-संप्रदाय तो भक्तिभाव रखते ही हैं, लाखों हिंदू, मुसलमान, ईसाई, सिख आदि भी उन्हें पूजनीय मानते हैं। भारत को धर्म-सापेक्ष बनाएं, यह बात उन्होंने म.प्र. के कुंडलपुर में आयोजित पंचकल्याणक समारोह में कही। वहां लाखों भक्तों के अलावा देश के जाने-माने नेता भी उपस्थित थे। भारत को धर्म-सापेक्ष बनाने का अर्थ उसे वेटिकन-जैसा राज्य बनाना नहीं है। उसे किसी रिलीजन या संप्रदाय या मत या पंथ का अनुयायी बना देना नहीं है बल्कि ऐसा राष्ट्र बनाना है, जिसका प्रत्येक नागरिक और सरकार भी धार्मिक है। भारत के संविधान में कहीं भी धर्म-निरपेक्ष शब्द नहीं आया है। उसकी प्रस्तावना में भारत को 'पंथ-निरपेक्ष' कहा गया है। लेकिन हमारे देश के नेता धर्म-निरपेक्ष शब्द का ही प्रायः इस्तेमाल करते रहते हैं। इसका असली कारण अंग्रेजी भाषा की गुलामी ही है, क्योंकि अंग्रेजी में धर्म को 'रिलीजन' ही कहते हैं। 'सेक्युलर' शब्द यूरोप में चलता है। आप सेक्यूलर हैं याने धर्म-निरपेक्ष हैं। मैं तो कहता हूं कि जो लोग सचमुच सेक्यूलर हैं याने किसी भी पंथ, संप्रदाय या भगवान को भी नहीं मानते, वे भी परम धार्मिक हो सकते हैं। धर्म का अर्थ है- धारण करने योग्य। मनुष्य का, पशु का, पक्षी का, राजा का, प्रजा का, मालिक का, नौकर का- सबका अपना धर्म होता है। सब अपने-अपने कर्तव्य का पालन करें, यही धर्म है। मंदिर, मस्जिद, गिरजे, गुरूद्वारे और साइनेगॉग में जाना धर्म नहीं है। वह पंथ-भक्ति है। धर्म क्या है? इसकी परिभाषा मनुस्मृति में कितनी अच्छी है। मनु महाराज ने धर्म के दस लक्षण बताए हैं- धीरज, क्षमा, मन-नियंत्रण, चोरी या लालच से बचना, शरीर-मन-बुद्धि को शुद्ध रखना, इंद्रिय-संयम, बुद्धिप्रधान रहना, सत्याचरण और क्रोध-नियंत्रण! क्या कोई मजहब, पंथ या संप्रदाय धर्म के इन दस लक्षणों को अनुचित बता सकता है? दुनिया के हर संप्रदाय या रिलीजन का भक्त इस धर्म का अनुसरण कर सकता है। इसे ही वेदों में मानव-धर्म कहा है। ऋग्वेद कहता है- मनुर्भव भव! याने मनुष्य बनो। कोई भी मनुष्य किसी भी मजहब या पंथ का अनुयायी हो या किसी का भी न हो, वह भी इन दस लक्षणों को धारण कर सकता है। इनको धारना ही धर्म है। इनका जो उल्लंघन करे और अपने आप को वह किसी भी रिलीजन या संप्रदाय का परम भक्त कहे तो वह किसी भी हालत में धार्मिक व्यक्ति नहीं कहला सकता। रिलीजनों और संप्रदायों ने दुनिया में जितनी खून की नदियां बहाई हैं, उतनी बादशाहों, राजाओं और राजनीति ने भी नहीं बहाई हैं। सच्ची नैतिकता ही धर्म है। जिसमें नैतिकता नहीं, वह विचार और कर्म अधर्म ही है। ऐसे अधर्म को हम छोड़े और भारत ही नहीं, दुनिया के सारे राष्ट्र धर्म-सापेक्ष बनें तो यह पृथ्वी ही स्वर्ग बन जाएगी। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

नोट के बाद अब वोट

भाजपा अब वोट को 'फिक्स डिपाजिट' कराएगी....?

जिस प्रकार बैंक में अधिक से अधिक राशि स्थाई रूप से (फिक्स डिपाजिट) जमा कर उसके ब्याज से अपना खर्च चलाने की मानव प्रवृत्ति है, उसी प्रकार अब राजनीति में भी यही प्रवृत्ति विकसित करने की तैयारी है, जिसका श्रीगणेश देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी करना चाहती है, अब वह अपने नोटों के बाद वोटों की 'फिक्स डिपाजिट' चाहती है, जिससे कि वह आराम से अगले कई सालों तक देश व इसके राज्यों पर राज कर सके। फिलहाल देश में वोट बैंक में भाजपा का तीस फीसदी औसत कब्जा है, वह चाती है कि अथक प्रयासों के द्वारा वह अगले कुछ सालों में इस वोट प्रतिशत को दुगुने के करीब पहुंचा दें, जिससे कि कम से कम अगले तीन दशक तक वह देश पर राज कर सके, बकौल पार्टी के केन्द्रीय महासचिव मुरलीधर राव पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में प्रयास भी शुरू कर दिये है। इन प्रयासों की शुरूआत भाजपा शासित राज्यों में प्रतिपक्षी दलों को पिछले चुनावों में हासिल सीटों से की गई है, खासकर उन सीटों से जो कभी भाजपा के कब्जें में थी और पिछले कुछ सालों से प्रतिपक्षी दलों के कब्जें में है। इस प्रयास को सफल बनाने में अकेली भाजपा ही नहीं बल्कि उसके सहयोगी संगठन भी जुट गए है, विशेष कर इस कार्य में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने विशेष रूचि प्रदर्शित कर अभियान शुरू कर दिया है। जिसका ताजा उदाहरण मध्यप्रदेश का मालवा-निमाड़ क्षेत्र है, जां संघ प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत ने अपना डेरा डाल रखा है। इस मालवा निमाड़ क्षेत्र में विधानसभा की कुल 66 सीटें है, जिनमें से 2018 में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 36 व भाजपा को भाजपा को 27 सीटें मिली थी, शेष तीन सीटों पर निर्दलियों ने जीत हासिल की थी। इससे पहले 2013 के विधानसभा चुनावों में इन 66 सीटों में से भाजपा ने 56 सीटों पर जीत हासिल की थी इस तरह पांच साल में भाजपा को इस क्षेत्र में 29 सीटों का नुक्सान उठाना पड़ा था, अब संघ प्रमुख के नेतृत्व में इन्हीं 29 सीटों पर संघ भाजपा के पक्ष में माहौल तैयार कर रहा है, मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनावों में अभी करीब बीस माह शेष है, अर्थात् अगले साल (2023) के नवम्बर माह में चुनाव होना है और संघ ने अभी से इस दिशा में विधिवत अभियान चलाकर काम शुरू कर दिया है और उज्जैन में अगले तीन साल की कार्य योजना तैयार करना शुरू कर दिया है। संघ की इस चार दिवसीय अहम् बैठक में प्रदेश केन्द्र के भाजपा पदाधिकारी भी शामिल हो रहे है, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इस दिशा में सक्रिय है तथा प्रदेश भाजपा का संघ को पूरा सहयोग हासिल हो रहा है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछले दिनों राष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश के भाजपा शासित राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए एक गोपनीय सर्वेक्षण करवाया था, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में भाजपा की स्थिति ज्ञात करना था, इस सर्वेक्षण की रिपोर्ट से भाजपा को निराशा हाथ लगी क्योंकि रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि देश के भाजपाशासित राज्यों सहित कई क्षेत्र में मोदी जी का आकर्षण कम हो रहा है, जिसके कारण भाजपा को अगले चुनावों में तकलीफ उठाना पड़ सकता है, विशेषकर जिन पांचों राज्यों में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया जारी है वहां इसीलिए अधिक ध्यान दिया जा रहा है, इस रिपोर्ट से भाजपा चौंक गई और उसने इस स्थिति को ठीक करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए। ये संघ व भाजपा की सक्रियता इसी रिपोर्ट का परिणाम है। भाजपा नेतृत्व चाहता है कि पांचों चुनावी राज्यों के साथ अगले लोकसभा चुनावों (2024) से पहले डेढ़ दर्जन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा अपना परचम फहराये और फिर 2024 में पुनः देश का आर्शिवाद भाजपा को मिले। इसी अभियान में भाजपा इन दिनों प्राथमिकता से जुट गई है और उसे कांग्रेस सहित निष्क्रिय प्रतिपक्षी दलों का पूरा राजनीतिक लाभ मिल रहा है। (लेखक-ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

आज का इतिहास 24 फरवरी

1483 मुगल सम्राट बाबर का जन्म हुआ.
1525 स्पेनी फौजों ने पाविया,इटली में फ्रांस और स्विस फौजों को जबरदस्त शिकस्त दी.
1530 चार्ल्स पंचम रोम के शासक बने.
1563 फ्रांसीसी गृहयुद्ध में गुइस के ड्यूक मारे गए.
1656 स्पेन ने इंग्लैंड के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1786 जर्मन सेथत विल्हम ग्रिम का जन्म हुआ.
1824 भारत के गवर्नर जनरल ने बर्मा के खिलाफ युद्ध की घोषणा की.
1920 जर्मनी में नाजी पार्टी का गठन किया गया.
1945 मिस्त्र के प्रधानमंत्री अहमद पाशा की हत्या हुई.
1961 मद्रास राज्य का नाम तमिलनाडु रखा गया.
1962 अल्जीयर्स में आतंकवादी हमले में 25 व्यक्ति मारे गए.
1966 धाना में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया.
1986 अमरीका ने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डीनांड मार्कोस से पद छोड़ देने को कहा.
1989 विश्व के नेतओं द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किए जाने के बाद जापान नरेश हिरोहिती को दफना दिया गया.
1990 लिथुआनिया की सर्वोच्च संस्था में ऐसे उम्मीदवारों को भारी सफलता मिली जो सोवियत संघ से अलग होने के पक्षधर थे.
1991 बहुराष्ट्रीय सेनाओं ने राजनयिक प्रयासों की असफलता के बाद इराक के खिलाफ जवाबी कार्रवाई शुरू की.

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे वार्नर सहित तीन खिलाड़ी

मेलबर्न (ईएमएस)। पाकिस्तान के खिलाफ चार मार्च से शुरु होने वाली टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आधिकारिक तौर पर आईपीएल के 15 वें सत्र के लिए अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है पर लीग के मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम पाक के खिलाफ चार मार्च से टेस्ट सीरीज खेलेगी जो 25 मार्च तक चलेगी। ऐसे में वार्नर, हेजलवुड और कमिंस आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। ये खिलाड़ी पांच अप्रैल से पहले अपनी आईपीएल टीमों के साथ नहीं जुड़ पाएंगे क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने स्पष्ट किया है कि पाक के खिलाफ सीमित ओवरों के मैचों का हिस्सा नहीं रहने वाले केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी भी द्विपक्षीय श्रृंखला समाप्त होने तक लीग के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

दैनिक पंचांग

24 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

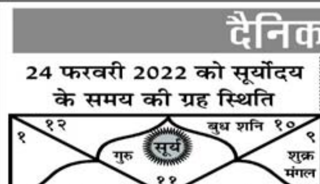

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.27 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	08.57 बजे से
मंगल	धनु में	वृष	10.37 बजे से
बुध	मकर में	मिथुन	12.35 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.49 बजे से
शुक्र	धनु में	सिंह	17.05 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	19.17 बजे से
राहु	वृष में	तुला	21.28 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	23.42 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	01.58 बजे से
		मकर	04.04 बजे से
		कुंभ	05.50 बजे से

गुरुवार 2022 वर्ष का 55 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** अष्टमी 15.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 13.31 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 02.58 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 15.04 बजे तदनन्तर तैतिल 02.03 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 22.8 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 33'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871169
जूलियन दिन 2459634.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रज्जब **तारीख** 22
विशेष सीताष्टमी, जानकी जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7207

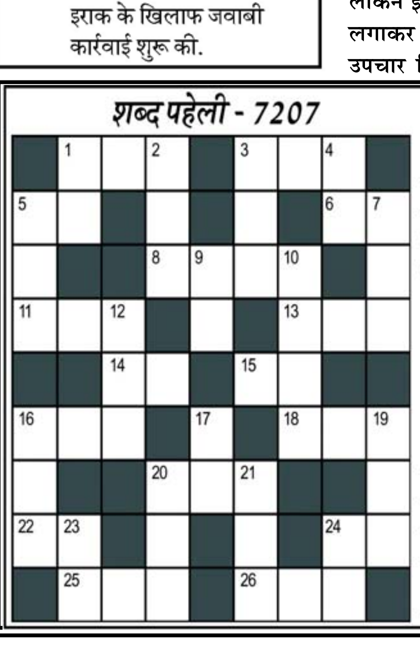

बाएँ से दाएँ
1. पाबंदी,संयम,पाश-3
3. मनुष्य,इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका,टूंटी
8. प्रलय,महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण,निर्मिती-3
14. हुनर,आर्ट-2
15. उम्मीद,आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल,अनुतीर्ण-3
20. आभास,भास-3
22. वध-2
24. जी,इच्छा,चित-2
25. सब्जी का सड़ना,बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे
1. हड़ताल,स्थिर,रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम,राहत-3
4. मछली,मत्स्य,राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त,मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण,आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान,इमारत-3
21. कमी,थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार,मनाही-2

शब्द पहेली -7206 का हल

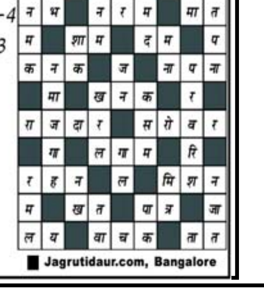

Jagrutidaur.com, Bangalore

श्रीलंका के खिलाफ जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी टीम इंडिया

शाम सात बजे शुरू होगा मुकाबला

लखनऊ (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली शानदार जीत के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां मेहमान टीम श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। इस सीरीज में हालांकि भारतीय टीम को अपने दो खिलाड़ियों सूर्यकुमार यादव और दीपक चाहर के बिना ही उतना होगा। यह दोनो ही चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ इन दोनो ने ही शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में इनका बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका रहेगा। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए इस सीरीज में अधिक से अधिक युवा खिलाड़ी को आजमा सकते हैं। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम ने विराट कोहली, ऋषभ पंत को आराम दिया है जबकि लोकेश राहुल चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में युवा खिलाड़ियों इशान किशन, रुतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन को अवसर मिलना तय नजर आ रहा है।

कोहली के टीम में नहीं होने कारण मध्य क्रम में अय्यर के पास अधिक ओवर खेलने और बड़ा स्कोर बनाकर अपनी जगह पक्की करने का अच्छा अवसर रहेगा। कोहली की वापसी के बाद उनका नंबर तीन पर खेलना तय है। रुतुराज और अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 में रन नहीं बना पाये थे , ऐसे में अब यह दोनो ही श्रीलंका के खिलाफ बड़े स्कोर बनाना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने 'फिनिशर' की भूमिका अच्छी तरह से निभायी थी। इस सीरीज में यदि वह अपनी गेंदबाजी भी बेहतर कर लें तो विश्व कप में उन्हें ऑलराउंडर के तौर पर जगह मिल सकती है। सूर्यकुमार और चाहर के चोटिल होने के कारण बाहर होने से ऑलराउंडर होने के कारण वेंकटेश पर जिम्मेदारी बढ़ गयी है। सैमसन को भी टीम में शामिल किया गया है और अब यह देखना होगा कि टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम एकादश में किस प्रकार से जगह देता है। स्पिनर रवि बिश्नोई ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था , इसलिए उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तया है। तेज गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह की वापसी से वह बेहतर हुआ है।

इकसे अलावा उन्हें अनुभवी भुवनेश्वर कुमार और युवा मोहम्मद सिराज का भी साथ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर श्रीलंका की बात करें तो उसे हाल ही में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। उसके बल्लेबाज किसी भी मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। जिससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। ऐसे में अब कप्तान दासुन शनाका को उम्मीद रहेगी कि भारतीय पिचों पर अनुकूल हालातों में उनके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

श्रीलंकाई टीम को इस सीरीज में अपने स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा के बिना ही उतरना रहेगा क्योंकि हसरंगा कोविड-19 के हुए एक और टेस्ट में पॉजिटिव पाये गये हैं जिसके बाद उन्हें पृथकवास में भेज दिया गया है। इसके अलावा अगर आंकड़ा की बात करें तो वह भी लंकाई टीम के पक्ष में नहीं हैं क्योंकि आज तक वह भारतीय टीम को घरेलू धरती पर नहीं हरा पायी है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, इशान किशन (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, दीपक हुड्डा, रविंद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), आवेश खान।

श्रीलंकाः दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसाल मेंडिस, चारित असलंका (उप-कप्तान), दिनेश चांदीमल, दनुष्का गुणाथिलका, कामिल मिशारा, जनीथ लियानागे, चामिका करुणारत्ने, दुशमंथा चमीरा, लाहिरू कुमारा, बिनुरा फर्नांडो, शिरन फर्नांडो, महेश तीक्षाना, जेफरी वांडरसे, प्रवीण जयाविक्रमा, आशियान डेनियल।

रूस और यूक्रेन विवाद पर भारत से रुख की रुस ने सराहना की

मास्को (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। भारत के साथ-साथ पूरे विश्व की नजर इस घटनाक्रम पर है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस-यूक्रेन के ताजा हालात पर चर्चा हुई। इस चर्चा में भारत ने भी अपना पक्ष मजबूती से रखा। इसपर रूस ने भारत के पक्ष की सराहना करते हुए इसका स्वागत किया है। भारत में रूस के मिशन के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने कहा कि भारत फिलहाल एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि हम भारत के स्वतंत्र स्थिति का स्वागत करते हैं, जिसे भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दो बार लिया है। रोमन बाबुश्किन ने कहा कि सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत के विचार दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को दर्शाती है।

रूस की ओर से कहा गया है, कि भारत वर्तमान में जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और यह वैश्विक मामलों के लिए एक स्वतंत्र और संतुलित दृष्टिकोण भी अपनाता है। उन्होंने कहा कि रूस-भारत साझेदारी एक मजबूत और ठोस नींव पर आधारित है। यह आपसी विश्वास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारी साझेदारी उसी स्तर पर आगे भी जारी रहेगी जिसका हम आज आनंद ले रहे हैं। इसके अलावा, हमने रक्षा क्षेत्र में 10 साल के सहयोग के कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किए हैं। हमारे पास पाइपलाइन में बहुत सी बड़ी परियोजनाएं हैं, हमें पूरा विश्वास है, कि हमारी सभी योजनाएं सफलतापूर्वक लागू होगी। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा कि हम यूक्रेन की पूर्वी सीमा पर हो रही गतिविधियों और रूसी संघ द्वारा इस संबंध में की गई घोषणा सहित पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं।

रूस-यूक्रेन सीमा पर बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त कर उन्होंने कहा, हम एक सैन्य तनाव का जोखिम नहीं उठा सकते। भारत ने इसके साथ ही सभी पक्षों से संयम बरतने का आह्वान कर कहा कि सभी देशों के वैध सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए और क्षेत्र में दीर्घकालीन शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए तनाव कम करना'' तात्कालिक प्राथमिकता है। तिरुमूर्ति ने कहा कि हम आश्वस्त हैं कि इस मुद्दे को कूटनीतिक संवाद के जरिए ही हल किया जा सकता है। हमें तनाव कम करने की कोशिश में लगे पक्षों द्वारा हाल में उठाए गए कदमों को वक्त देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में नयी दिल्ली त्रिपक्षीय संपर्कसमूह और नॉरमैंडी प्रारूप समेत अन्य प्रयासों का स्वागत करती है।

रुस को दोस्त चीन से मिल रही पूरी मदद, प्रतिबंध से नहीं डर रहे पुतिन

मॉस्को (ईएमएस)। रूस की ओर से यूक्रेन पर हमले की आशंका तेजी से बढ़ी हैं। ऐसा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूर्वी यूक्रेन में रूस समर्थित अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के साथ ही हो गया है।रूस के फैसले से तनाव और बढ़ गया है। इस बीच अमेरिका और कनाडा की ओर से रूस को लेकर कई प्रतिबंधों की घोषणा की गई है। उधर जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि उनके देश ने नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन के प्रमाणन की प्रक्रिया को रोकने के लिए कदम उठाए हैं, क्योंकि पश्चिमी देश यूक्रेन संकट के मद्देनजर रूस के खिलाफ दंडात्मक उपाय कर रहे हैं। यह फैसला जर्मन सरकार का महत्वपूर्ण कदम है, इसकी आलोचना रूस ने की है। लेकिन रूस को चीन से अब मदद मिल रही है।

पाइपलाइन के द्वारा रूस से यूक्रेन और पोलैंड के रास्ते बाल्टिक सागर से जर्मनी को गैस भेजने की योजना थी। हालांकि विशेषज्ञ ऐसी संभावना हैं कि पुतिन को यूरोपीय देशों और अमेरिका से मिल प्रतिबंधों के बाद भी एक लाइफलाइन मिली है, जो उसकी परेशानियां कम कर सकेगी। दरसअल कुछ दिन पहले रूस ने चीन के साथ समझौता किया था। इसके तहत रूस अगले 30 साल तक चीन को गैस उपलब्ध कराएगा। इस समझौते के तहत रूस समर्थित ऑयल कॉरपोरेशन गैजप्रोम ने चीनी कंपनी सीएनपीसी को हर साल 10 अरब क्यूबिक मीटर गैस सप्लाई करने को राजी हुआ है। रूसी विशेषज्ञ का कहना है कि पुतिन और रूस के लिए यह डील काफी सहायक होगी। 117 अरब अमेरिकी डॉलर के रूसी तेल और गैस को चीन भेजने के लिए एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। अगर कोई आक्रमण होता है,तब यह समझौता मास्को को रूस से यूरोप तक नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन को रोकने के अमेरिकी खतरों से संभावित नतीजों को कम करने में मदद देता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और रूस के बीच हुए इन समझौतों के कारण 2050 तक रूस चीन का सबसे बड़ा सप्लायर बन सकता है।रूसी रोजनेफ्ट कंपनी के कुल तेल उत्पादन का 25 फीसदी हिस्सा अब चीन के पास जा सकता है।वैसे रूस पहले से ही चीन को गैस सप्लाई कर रहा है। यह सप्लाई सर्बिया पाइपलाइन के द्वारा 2019 में शुरू हुई थी।इसके साथ ही रूस लिक्विफाइड नेचुरल गैस को समुद्र के रास्ते चीन भेज रहा है।

अमेरिकी भारतीय चिकित्सक संघ का 40वां वार्षिक सम्मेलन टेक्सास में होगा संपन्न

वॉशिंगटन (ईएमएस)। विदेशों में अपनी असाधारण प्रतिभा का लोहा मनवा रहे अमेरिका के सबसे प्रभावशाली समुदायों में से एक भारतीय-अमेरिकी डॉक्टरों का समूह, टेक्सास में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर 'एएपीआई' की 40वीं वर्षगांठ मनाने की योजना बना रहा है। इस आयोजन को विख्यात चिकित्सक डॉ. पीटर होटेज और भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर समेत अन्य दिग्गज संबोधित करेंगे। भारतीय मूल के अमेरिकी डॉक्टरों का संघ (एएपीआई) अमेरिका में सबसे बड़ा सामुदायिक चिकित्सकों का संगठन है जो कि एक लाख से अधिक डॉक्टरों का प्रतिनिधित्व करता है। एएपीआई की अध्यक्ष डॉ. अनुपमा गोती मुकुल ने बताया कि एएपीआई का वार्षिक सम्मेलन इस साल 23 जून से 26 जून तक चलेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें अपना वीडियो संदेश भेज सकते हैं। इस सम्मेलन में भारतीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मांडविया शामिल हो सकते हैं।

उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी इस सम्मेलन में शामिल होने का न्योता भेजा गया है। अमेरिका के राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण निदेशक डॉ. राहुल गुप्ता भी इस सम्मेलन को संबोधित करेंगे। वह पहले ऐसे चिकित्सक हैं जिन्होंने व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण नीति कार्यालय का नेतृत्व किया। डॉ गुप्ता, बाइडन प्रशासन में सबसे ऊंचे पद तक पहुंचने वाले भारतीय-अमेरिकी हैं। गोतीमुकुल ने कहा, यह एएपीआई का 40वां सम्मेलन होगा। यह एक मील का पत्थर साबित होने वाला आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि होटेज, टीके के विकास और उष्णकटिबंधीय रोगों के विषय में अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक डॉक्टर और वैज्ञानिक हैं और वह सम्मेलन के प्रमुख वक्ता होंगे। डॉ। होटेज के योगदान के कारण भारत में जल्दी ही किफायती दरों पर कोविड रोधी टीके उपलब्ध होंगे। गोटेज और अनुसंधानकर्ताओं के उनके दल ने 'कोरबेवैक्स' नामक टीके के विकास में योगदान दिया है। गोतीमुकुल ने कहा कि इस टीके की पिछले महीने भारत की औषधि नियामक संस्था ने आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। एएपीआई के वार्षिक आयोजन को भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज रहे पूर्व खिलाड़ी सुनील गावस्कर भी संबोधित करेंगे।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। रुस और यूक्रेन में तनाव बढ़ने से मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट का माहौल रहा। यूक्रेन संकट के कारण निवेशकों में आये डर से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई जिससे बिकवाली हावी हुई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 68.62 अंक करीब 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,232.06 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 28.95 अंक तकरीबन 0.12 फीसदी नीचे आकर 17,063.25 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान दोनो ही सूचकांक अधिकांश समय सकारात्मक दायरे में रहे। सेंसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी, एलएंडटी, नेस्ले और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गयी। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 3,245.52 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वहीं जानकारों के अनुसार रूस और यूक्रेन संकट के कारण बाजार के हालात का अंदाजा लगाना कठिन हो रहा है। वहीं अगर इस मामले का हल बातचीत से निकलता है तो बाजार में उत्साह लौट सकता है।

सोने में गिरावट, चांदी में हल्की बढ़त

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें गिरी हैं जबकि चांदी में हल्की बढ़त आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गिरावट से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 126 रुपये कम होकर 49,960 प्रति दस ग्राम पर पहुंच गयी। वहीं इससे पहले के कारोबारी सत्र में सोना 50,086 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी हल्की बढ़त के साथ ही 63,939 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 63,939 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना नीचे आकर 1,896 डॉलर प्रति औंस व चांदी बढ़त के साथ 24.11 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गयी।

यूक्रेन में रूस के दखल की वजह से जर्मनी ने निलंबित किया नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

बर्लिन (ईएमएस)। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि उनके देश ने नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन के प्रमाणन की प्रक्रिया को रोकने के लिए कदम उठाए हैं, क्योंकि पश्चिमी देश यूक्रेन संकट के मद्देनजर रूस के खिलाफ दंडात्मक उपाय कर रहे हैं। यह फैसला जर्मन सरकार का महत्वपूर्ण कदम है, रूस ने इस कदम की आलोचना की है।

शोल्ज ने कहा उनकी सरकार ने यह फैसला पूर्वी यूक्रेन के दो अलग हुए क्षेत्रों की स्वायत्तता को मंजूरी देने के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के फैसले के जवाब में लिया है। उन्होंने पुतिन के फैसले को अंतरराष्ट्रीय कानून का गम्भीर उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने बर्लिन में कहा अब यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर निर्भर है कि वह रूसी राष्ट्रपति की इस एकतरफा, समझ से बाहर और अनुचित कार्रवाई का जवाब दे।

उन्होंने आगे कहा मॉस्को को यह संदेश देना अब जरूरी हो गया है कि उसकी ऐसी कार्रवाइयों का परिणाम अवश्य सामने आएगा। अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों की ओर से इस परियोजना से बाहर निकलने के लगातार दबाव का जर्मनी ने हाल के दिनों तक विरोध किया था। रूस से पाइपलाइन के जरिए जर्मनी तक प्राकृतिक गैस लाने की अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश लंबे समय से आलोचना करते रहे हैं।

इन देशों का कहना है कि यह रूसी ऊर्जा आपूर्ति पर यूरोप की निर्भरता को बढ़ाता है। अमेरिकी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नॉर्ड स्ट्रीम 2 यूक्रेन और पोलैंड के लिए जोखिम पैदा करता है, क्योंकि यह रूस को उन देशों के रास्ते गैस भेजना बंद करने की अनुमति दे सकता है। शोल्ज ने कहा, अब स्थिति मूलरूप से अलग हो गई है।

अपने इस बयान की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा अब सरकार ने जर्मनी की गैस आपूर्ति की सुरक्षा पर पाइपलाइन के प्रभाव से संबंधित रिपोर्ट वापस ले ली है। यह पाइपलाइन अभी चालू नहीं हुई है। शोल्ज ने कहा जर्मनी का अर्थव्यवस्था मंत्रालय नवीनतम घटनाक्रमों के परिप्रेक्ष्य में स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करेगा। उन्होंने कहा अगर मैं कहूं तो इसमें निश्चित रूप से समय लगेगा।

अंतरराष्ट्रीय सेवाएं सामान्य होने पर मुंबई से 1,000 उड़ानें संचालित होंगी

मुंबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय सेवाएं सामान्य होने के बाद मुंबई हवाईअड्डा से प्र?तिदिन 1,000 से अधिक ?विमान सेवाओं का संचालन होगा। एटीसी गिल्ड ने यह बात कही है। फिलहाल देश के दूसरे सबसे बड़े हवाईअड्डे पर हवाई यातायात कोविड-पूर्व स्तर से करीब 25 प्रतिशत कम है। सात जून, 2018 को इस हवाईअड्डे पर विमानों की आवाजाही का आंकड़ा 1,003 था। एटीसी गिल्ड (इंडिया) के मुता?बिक मार्च, 2020 में महामारी से पहले इस हवाईअड्डे पर प्रतिदिन 950 विमान आ रहे थे। फिलहाल यह संख्या घटकर 700 से कुछ अधिक है। अभी यहां प्रतिदिन 700 विमानों की आवाजाही है। यह महामारी-पूर्व के स्तर से अभी 25 प्रतिशत कम है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें काफी कम हैं और इसमें अधिक हिस्सेदारी घरेलू उड़ानों की है। नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें जल्द शुरू होंगी।

ट्रंप ने की पुतिन की तारीफ, कहा रूस ने यूक्रेन पर की स्मार्ट कार्रवाई, अमेरिका को लेना चाहिए सबक

वॉशिंगटन (ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के विद्रोही इलाकों लुहान्स्क और डोनेट्स्क को मान्यता देने के बाद वहां सेना भेजने का आदेश दे दिया है। उनके इस फैसले की चारों ओर आलोचना हो रही है। अमेरिका और कुछ अन्य पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध भी लगा दी है। रूस-यूक्रेन युद्ध के खतरे ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है।

एक रेडियो प्रोग्राम पर बोलते हुए ट्रंप ने इस वैश्विक तनाव अपनी चुप्पी तोड़ी है और पुतिन के इस फैसले को बुद्धिमानी भरा फैसला बताया है। पुतिन ने सोमवार को लुहान्स्क और डोनेट्स्क की स्वतंत्रता को मान्यता दे दी थी। इसके बाद दोनों रूस के लिए 'अलग देश' के रूप में अस्तित्व में आ गए हैं।

उन्होंने कहा तो पुतिन अब कह रहे हैं कि युक्रेन का एक बड़ा हिस्सा स्वतंत्र है, और अब वह अंदर जाकर शांतिदूत बनेंगे। हम भी इसका इस्तेमाल अपनी दक्षिणी सीमा पर कर सकते हैं। मैंने इससे बड़ी शाति सेना पहले कभी नहीं देखी। इतनी बड़ी संख्या में आर्मी टैंक कभी नहीं देखे। वे शांति बनाए रखेंगे। ठीक है। ज्ञात हो कि अमेरिका और रूस एक-दूसरे के पुराने विरोधी हैं, लेकिन ट्रंप पुतिन के पुराने फैन हैं।

2013 में उन्होंने ट्विटर पर लिखा था कि क्या पुतिन मॉस्को में उनके मिस यूनिवर्स समारोह में शामिल होंगे और क्या दोनों 'बेस्ट फ्रेंड' बन सकते हैं। हाल के वर्षों में ट्रंप ने कई बार पुतिन की रणनीतिक सूझबूझ की तारीफ की है, इसमें 'रूसी साम्राज्य' को दोबारा खड़े करने के इरादे शामिल हैं। उन्होंने पत्रकारों और आलोचकों पर पुतिन की दमनकारी कार्रवाइयों का भी बचाव किया है। यूक्रेन को लेकर पुतिन की हलिया कार्रवाई को यूक्रेन की संप्रभुता का उल्लंघन माना जा रहा है। अमेरिका ने भी रूसी बैंकों और कुलीन वर्गों के खिलाफ कड़े वित्तीय प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। बाइडन ने कहा कि रूस का यूक्रेन पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुलेआम उल्लंघन है। उन्होंने कहा पुतिन के यूक्रेन संबंधी दावों से 'हममें से कोई मूर्ख नहीं बनेगा। बाइडन ने साफ कर दिया कि अगर पुतिन आगे कोई कार्रवाई करते हैं तो प्रतिबंधों को बढ़ाया जाएगा।

अमेरिका में हेलीकॉप्टर हादसे में चार की मौत

होनोलूलू (ईएमएस)। अमेरिका में हवाई के कोआई द्वीप में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी नौसना ने यह जानकारी दी। पैसिफिक मिसाइल रेंज फैसिलिटी ने बताया कि ड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई है। पैसिफिक मिसाइल रेंज फैसिलिटी' ने एक विज्ञप्ति में बताया कि हेलीकॉप्टर क्रोमैन कोर से रवाना हुआ था और प्रशिक्षण अभियान में सहयोग कर रहा था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने ट्वीट किया कि एजेंसी सिकोरस्की एस-61 एन हेलीकॉप्टर हादसे की जांच कर रही है।

2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत : मुकेश अंबानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने बुधवार को दावा किया कि 2030 तक भारत जीडीपी के मामले में जापान को पीछे छोड़ देगा। इसके साथ ही भारत एशिया की दूसरी और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन पुणे इंटरनेशनल सेंटर के कार्यक्रम एशिया इकोनॉमिक डॉयलॉग 2022 में एक चर्चा में भाग ले रहे थे।

उनसे जब पूछा गया कि आने वाले समय में भारत और एशिया की क्या स्थिति रहने वाली है। इसका जवाब देते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि एशिया ने पिछली 2 सदियों के दौरान बुरा समय देखा है। अब एशिया का समय आ चुका है और 21वीं सदी एशिया की होगी। ग्लोबल इकोनॉमी का सेंटर एशिया शिफ्ट हो चुका है। एशिया की जीडीपी बाकी दुनिया से ज्यादा हो चुकी है। इंडियन इकोनॉमी के बारे में मुकेश अंबानी ने कहा कि भारत की जीडीपी 2030 तक जापान से बड़ी हो जाएगी।

इसके साथ ही भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। चीन की ग्रोथ स्टोरी जितनी शानदार है, भारत की स्टोरी उससे कम शानदार नहीं होने वाली है। उन्होंने इसके लिए 3 टारगेट भी सेट किया। अंबानी ने कहा भारत को तीन चीजों पर काम करने की जरूरत है। सबसे पहले भारत 10 फीसदी से ज्यादा के ग्रोथ रेट के लिए एनर्जी आउटपुट बढ़ाना होगा। उन्होंने दूसरा काम बताया कि भारत को एनर्जी बास्केट में क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी का शेयर बढ़ाना होगा। तीसरा और अंतिम काम आत्मनिर्भर बनना होगा।

उन्होंने भरोसा जाहिर किया कि अगले 10-15 साल में भारत की कोयले पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी। ग्रीन एनर्जी को अगले इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन के लिए जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा इस पर फोकस करना अहम है। मुकेश अंबानी ने इस दौरान 'अर्थ फ्रेंडली इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन ' टर्म भी उछाला। इसके बारे में विस्तार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यूनिवर्स में कोई प्लैनेट बी नहीं है। सिर्फ प्लैनेट अर्थ ही है, जहां जीवन है। अभी तक के तीनों इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन ने अर्थ को नुकसान पहुंचाया है। इस कारण जरूरी है कि अब हम अर्थ फ्रेंडली इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन की ओर बढ़ें।

मार्च-अप्रैल में बढ़ सकती हैं ईंधन की कीमतें

नई दिल्ली (ईएमएस)। मार्च-अप्रैल में देश में ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी होने की संभावना जताई गई है। यूक्रेन-रूस संकट के गहराने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई है लेकिन देश में दिवाली के बाद से पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। माना जा रहा है पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही अप्रैल से देश में गैस की कीमतें दोगुना हो सकती हैं। कच्चे तेल एवं गैस के प्रमुख उत्पादक देश रूस के यूक्रेन विवाद में उलझने से आपूर्ति बाधित होने की आशंका की चलते अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव मंगलवार को 99.38 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। हालांकि, इस वायदा भाव पर कुछ मुनाफावसूली होने से आखिर में यह 98 डॉलर प्रति बैरल से थोड़ा ऊपर बंद हुआ। इससे पहले ब्रेंट क्रूड सात साल पहले सितंबर 2014 में 99 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर गया था। देश में पेट्रोल एवं डीजल की खुदरा बिक्री दरें 82-83 डॉलर प्रति बैरल के कच्चे तेल भाव के अनुरूप हैं।

रुस की नई कार्रवाई पर कूटनीतिक चुप्पी बनाकर सयंम बरताने की बात कह रहा चीन

बीजिंग (ईएमएस)। यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कदम से पैदा हुए विवाद के बीच रूस के प्रमुख सहयोगी चीन ने मास्को की नई कार्रवाई पर कूटनीतिक चुप्पी बनाकर संयम बरतने का आह्वान किया। अमेरिका, यूरोपीय संघ और उनके सहयोगी देश, रूस के खिलाफ गतिरोध में यूक्रेन का मजबूती से समर्थन कर रहे हैं। लेकिन चीन ने यह कहकर अलग रूख दिखाया कि रूस की वैध सुरक्षा चिंताओं का सम्मान होना चाहिए। लेकिन यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के पुतिन के कदम को लेकर पूछे गए सवालों को टाल दिया।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन व चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई वार्ता में यूक्रेन मुद्दा प्रमुखता से सामने आया। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ब्लिंकन ने वांग को यूक्रेन की मौजूदा स्थिति पर अमेरिका के विचारों और स्थिति से अवगत कराया, वहीं वांग ने कहा कि यूक्रेन की स्थिति पर चीन करीबी नजर रख रहा है। वांग ने पुतिन के नवीनतम कदम का जिक्र करते हुए कहा कि चीन मुद्दे के आधार पर सभी पक्षों को शामिल करना जारी रखेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यूक्रेन में स्थिति बिगड़ती जा रही है। उन्होंने दो अलगाववादी क्षेत्रों के संबंध में पुतिन के कदम का जिक्र किए बगैर कहा कि चीन एक बार फिर सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव को कम करने और बातचीत के माध्यम से मतभेदों को हल करने का आह्वान करता है।

यूक्रेन में महिलाओं ने उठाए हथियार, 13000 से अधिक महिलाओं ने रूसी सैनिकों के विरुद्ध संभाला मोर्चा

कीव (ईएमएस)। रूसी हमले के खतरे के बीच यूक्रेन की सेना भी पूरी तरह तैयार है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की भी कह चुके हैं कि हमारी सेना अब पहले से अलग है। यूक्रेन की 'नई सेना' अब बड़ी संख्या में महिलाएं भी भर्ती हो रही हैं। महिलाओं ने देश की रक्षा के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर हथियार उठा लिए हैं। यूक्रेन की सेना महिलाओं को लड़ने की प्राथमिक ट्रेनिंग देकर युद्ध के लिए तैयार कर रही है।

यूक्रेन की सेना में महिलाओं की पहले से ही बड़ी भागीदारी है। 30 हजार से अधिक महिला सैनिकों में अब 20 से 60 साल की गृहणियां और कामकाजी महिलाएं भी शामिल हो रही हैं। ये महिला सैनिक किसी भी पुरुष सैनिक टुकड़ी पर भारी पड़ने के लिए काफी हैं। 2014 में जब रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था तब महिला सैनिकों ने अपना दम दिखाया था। रूस हमले में बड़ी संख्या में यूक्रेनी नागरिकों और सैनिकों की मौत भी हो गई थी।

यूक्रेन 1993 से अपनी सेना में महिलाओं को जगह दे रहा है। सेना में महिलाओं की भागीदारी 15 फीसदी है। कुल 1100 महिलाएं सैन्य अफसर के पद पर तैनात हैं। वहीं, युद्ध के मैदान में 13000 से अधिक महिलाएं मौजूद हैं। वर्तमान में यूक्रेन की महिला सैनिक देश के पूर्वी अशांत हिस्से में रूस समर्थित विद्रोहियों से लोहा ले रही हैं। डोनबास के दोनों इलाकों को रूस अलग देश के रूप में मान्यता दे चुका है और सेना तैनात करने के आदेश भी दे चुका है।

पिछले हफ्ते से विद्रोही इलाकों में गोलाबारी की खबरें आ रही हैं। युवा महिलाओं के साथ-साथ बुजुर्ग सैनिक भी यूक्रेन की रक्षा के लिए आगे आ रही हैं। कई तस्वीरों में बुजुर्ग महिलाओं को एके-47 बंदूक के साथ अभ्यास करते हुए देखा गया था। वे रूस को खुलकर चुनौती दे रही हैं। यूक्रेन में 'बाबुश्खा बटालियन' नाम से बुजुर्ग महिलाओं की एक अलग बटालियन है। यह बटालियन युद्ध के समय सैन्य आपूर्ति, मेडिकल सहायता और खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान करने का काम करती है। 2014 में क्रीमिया पर रूसी हमले के समय सैनिकों के लिए खंदक खोदने का काम किया था। कुछ दिनों पहले यूक्रेन की महिला सैनिक विवादों में आ गई थी। महिलाओं यहां परेड के दौरान हिल्स पहने हुए देखा गया था। इसके बाद फेमिनिस्ट्स ने सेना और सरकार पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि ऐसा करके यूक्रेन की सेना पुरुष और महिलाओं के बीच भेद कर रही हैं। यूक्रेन सरकार को भी इसे लेकर कड़ी आलोचना का सवाल करना पड़ा था।

सरकारी उपायों से एक साल में अरहर दाल के थोक भाव में आई गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कहा कि दलहनों की घरेलू आपूर्ति बढ़ाने तथा कीमतों को स्थिर बनाने के लिए सरकार द्वारा ?किए गए उपायों से पिछले एक साल में अरहर दाल के थोक मूल्य में करीब तीन प्रतिशत की गिरावट आई है। सरकार ने आवश्यक खाद्य वस्तुओं की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को स्थिर करने के लिए कई उपाय किए हैं ?जिससे अरहर, अरहर दाल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) के आंकड़ों के अनुसार 22 फरवरी को अरहर दाल का औसत थोक मूल्य 9,255.88 रुपए प्रति क्विंटल था, जो एक साल पहले इसी दिन 9,529.79 रुपए प्रति क्विंटल था, जो 2.87 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। इसी तरह 21 फरवरी को अरहर दाल का औसत थोक मूल्य 9,252.17 रुपए प्रति क्विंटल था, जो एक साल पहले इसी दिन 9,580.17 रुपए प्रति क्विंटल था। यह 3.42 प्रतिशत की गिरावट है। केंद्र ने कहा कि मई, 2021 में राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों की निगरानी और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत मिल मालिकों, आयातकों और व्यापारियों के पास दलहन भंडार का खुलासा सुनिश्चित करने के लिए परामर्श जारी किया गया था। मूंग को छोड़कर सभी दालों पर स्टॉक सीमा दो जुलाई, 2021 को अधिसूचित की गई थी। इसके बाद 19 जुलाई, 2021 को एक संशोधित आदेश जारी किया गया, जिसमें चार दालों, अरहर, उड़द, मसूर, चना पर 31 अक्टूबर, 2021 तक की अवधि के लिए स्टॉक सीमा तय की गई। सरकार ने दलहनों का सुचारू और निर्बाध आयात सुनिश्चित करने के लिए 15 मई, 2021 से 31 अक्टूबर, 2021 तक मुक्त श्रेणी के तहत अरहर, उड़द और मूंग के आयात की अनुमति दी थी। अरहर और उड़द के आयात के संबंध में मुक्त व्यवस्था को 31 मार्च, 2022 तक बढ़ा दिया गया है। बयान में कहा गया है ?कि आयात संबंधी नीतिगत उपायों के परिणामस्वरूप पिछले दो वर्षों की इसी अवधि की तुलना में अरहर, उड़द और मूंग के आयात में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

देश में 2021 में वित्तीय नियोजक 17 प्रतिशत बढ़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में वर्ष 2021 के दौरान प्रमाणित वित्तीय नियोजक (सीएफपी) पेशेवरों की संख्या 17 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। व्यक्तिगत वित्त समाधानों की मांग में वृद्धि से इन पेशवरों की संख्या बढ़ी है। वित्तीय नियोजन मानक बोर्ड (एफपीएसबी) ने यह जानकारी दी। भारत में सीएफ़पी पेशेवरों की संख्या पिछले साल 17.6 प्रतिशत बढ़कर 31 दिसंबर, 2021 तक 2,338 पर पहुंच गई। एफपीएसबी लिमिटेड ने कहा कि सीएफ़पी पेशेवरों में बढ़ती मांग दर्शाती है कि म्यूचुअल फंड, जीवन बीमा, बचत बैंक खातों और प्रत्यक्ष इक्विटी निवेश जैसे क्षेत्रों में व्यक्तिगत वित्त समाधानों की स्वीकृति बढ़ी है। एफपीएसबी के अनुसार देश में सीएफ़पी पेशेवरों की मांग में ऐसे समय वृद्धि हुई है जब दुनियाभर में सीएफ़पी की संख्या 2,03,312 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है।

ओमीक्रोन का सब-वेरिएंट बीए.2 ज्यादा संक्रामक, इससे आएगी कोरोना की एक और लहर : विशेषज्ञ

जेनेवा (ईएमएस)। ओमीक्रोन के सब-वेरिएंट बीए.2 को लेकर अलग-अलग तरह की आशंकाएं और अटकलें लगने लगी हैं। बताया जाता है कि कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन का सब-वेरिएंट बीए.2 मूल वेरिएंट से भी ज्यादा तेजी से फैलने वाला है। इस सब-वेरिएंट के डेल्टा से भी खतरनाक होने की आशंका जताई जा चुकी है। हालांकि, भारत के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी और नेशनल आईएमए कोविड टास्क फोर्स के को-चेयरमैन डॉ राजीव जयदेवन ने सुकून देने वाली बात कही है। उनका कहना है कि बीए.2 सब-वेरिएंट से एक और लहर आने की आशंका नहीं है। इतना ही नहीं, जो लोग पहले ही बीए.1 सब-वेरिएंट के संपर्क में आ चुके हैं, उन्हें भी शायद दोबारा इसका इन्फेक्शन न हो। राजीव ने इस बात पर भी जोर दिया है कि बीए.2 न तो नया वायरस है और न नया स्ट्रेन। हालांकि, बीए.1 सब-वेरिएंट के मुकाबले यह ज्यादा ट्रांसमिसिबल है। यानी यह कहीं ज्यादा तेजी से फैल सकता है।

हालांकि, इससे एक और लहर नहीं आएगी। राजीव का बयान जाने-माने महामारी विज्ञानी डॉ एरिक फीगल-डिंग की चेतावनी के बाद आया है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से बीए.2 सब वेरिएंट को 'वेरिएंट ऑफ कन्सर्न' घोषित करने के लिए कहा था। एरिक ने कहा था कि बीए.2 सब-वेरिएंट में गंभीर बीमारी करने की क्षमता है। जापान में हुए लैब एक्सपेरिमेंट का हवाला देते हुए डॉ एरिक ने कहा था कि बीए.2 सब-वेरिएंट कोरोना के डेल्टा वेरिएंट जितना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने बीए.2 सब-वेरिएंट को एक बुरी खबर करार दिया था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले कहा था कि बीए.2 सब-वेरिएंट पहले के सब-वेरिएंट की तुलना में अधिक ट्रांसमिसिबल, लेकिन गंभीर नहीं है। डब्ल्यूएचओ में कोरोना टेक्निकल लीड मारिया वैन केरखोवा ने एक वीडियो में कहा था सभी सब-वेरिएंट्स में बीए.2 बीए.1 की तुलना में ज्यादा ट्रांसमिसिबल है। हालांकि, गंभीरता के मामले में कोई अंतर नहीं है। जापान के वैज्ञानिकों ने पाया है कि बीए.2 वैसे तो ओमीक्रोन वेरिएंट माना जाता है। इसका जीनोमिक सीक्वेंस बीए.1 से बहुत अलग है। यह बताता है कि बीए.2 की वायरोलॉजिकल विशेषताएं बीए.1 से अलग हैं।

मुख्यमंत्री ने किसानों को स्मार्ट फोन की ख़रीद पर सरकारी सहायता वितरण का शुभारंभ कराया

- कृषि, मौसम, ऋण, सहायता, बीज इत्यादि की जानकारियाँ सिंगल क्लिक पर मिलेंगी : भूपेन्द्र पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के किसानों को स्मार्ट फोन की ख़रीद पर सहायता वितरण का गांधीनगर से शुभारंभ कराते हुए स्पष्ट कहा कि किसान सरकार की प्राथमिकता-प्रायोरिटी हमेशा थे, आज भी हैं और भविष्य में भी रहेंगे ही। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि किसानों की प्रत्येक समस्या के समाधान में सरकार उनके साथ है। प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने किसानों के हितों की चिंता की है और किसान कल्याण योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से जगत के तात को आर्थिक समृद्धि की दिशा दिखाई है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्य सरकार के कृषि, किसान कल्याण एवं सहकारिता विभाग की ओर से 15 करोड़ रुपए के प्रावधान के साथ शुरू हुई 'स्मार्ट फोन सहायता योजना' के अंतर्गत प्रतीक के रूप में कृषकों को 1.84 लाख रुपए की सहायता का वितरण किया। कृषि मंत्री राघवजीभाई पटेल, राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल, कुबेरभाई डिंडोर व देवाभाई मालम और मुख्य सचिव पंकज कुमार सहित लाभार्थी किसान इस अवसर पर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में राज्य भर में लगभग 70 स्थानों से साढ़े तीन हज़ार से अधिक किसान सहभागी हुए। इस योजना के प्रारंभ में राज्य में 5911 किसानों को 3.37 करोड़ रुपए की सहायता राशि का वितरण किया गया।

मुख्यमंत्री ने इन किसानों को प्रेरणा देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें डिजिटल क्रांति का जो संकल्प दिया है, जिसमें गुजरात का किसान कहीं भी पीछे न रहे और डिजिटल क्रांति की इस 21वीं सदी में स्मार्ट फोन के व्यापक उपयोग से किसान भी स्मार्ट-सुसज्ज बनें। यही हमारा लक्ष्य है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि आज के युग में शिक्षा, मार्केटिंग, फोटोग्राफी, ज्ञान-विज्ञान के लिए मोबाइल फोन का उपयोग बढ़ा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि किसान भी खेती में स्मार्ट फोन अपनाएँ। उन्होंने जोड़ा कि राज्य सरकार ने इस उद्देश्य से किसानों को स्मार्ट मोबाइल फोन ख़रीद के लिए सहायता देने का उदार दृष्टिकोण अपनाया है। उन्होंने कहा कि ये स्मार्ट फोन धरती पुत्रों के लिए अत्यंत उपकारी सिद्ध होंगे। किसान को अब विभिन्न सहायता-लोन, मौसम की भविष्यवाणी, खाद-बीज व फ़सल पद्धति जैसी जानकारियों और विवरणों के लिए खेत छोड़ कर नहीं जाना पड़ेगा। किसान को ये सारी सुविधाएँ खेत में बैठे-बैठे स्मार्ट फोन में वन क्लिक पर ही उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में कृषि क्षेत्र में ऑनलाइन तथा डिजिटल टेक्नोलॉजी की बढ़ती व्यापकता की सराहना करते हुए कहा कि राज्य के कृषि विभाग द्वारा शुरू किए गए आई-खेडूत पोर्टल पर एक ही वर्ष में ऑनलाइन एप्लिकेशन की संख्या 27 लाख 30 हज़ार पर पहुँची है। यही किसानों की जागृति का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि किसान-कृषिकार ड्रोन टेक्नोलॉजी के उपयोग से कीटनाशक छिड़काव सहित कृषि संबंधी पद्धति तथा प्राकृतिक खेती के अधिक से अधिक उपयोग से ज़ीरो बजट-रसायन मुक्त खेती की ओर मुड़ें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों की समस्याओं के प्रति राज्य सरकार हमेशा सकारात्मक है। उन्होंने अनुरोध किया कि सभी साथ मिल कर राज्य के कृषि क्षेत्र के सर्वग्राही विकास के लिए कार्यरत् रहें।

कृषि मंत्री राघवजीभाई पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशों के अनुसार 'स्मार्ट फोन सहायता योजना' का निर्माण व क्रियान्वयन कर किसानों को खेती की समूची जानकारी तथा सारा ज्ञान उंगलियों पर उपलब्ध कराने का राज्य सरकार का यह प्रयास है। राज्य सरकार 'किसान सुखी, तो देश सुखी' मंत्र के साथ कृषकों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि महोत्सव, सिंचाई योजनाओं, ज्योतिग्राम योजना, बाग़बानी फ़सल प्रोत्साहन, एग्रो बिज़नेस पॉलिसी, आई-खेडूत पोर्टल जैसे विशिष्ट प्रयासों से किसानों की सहायक बन रही है। 'स्मार्ट फोन सहायता योजना' इस दिशा में सरकार का एक और प्रयास है। कृषि मंत्री ने इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा कृषि उत्पादों की समर्थन मूल्य पर ख़रीद, किसानों को प्राकतिक आपदाओं से होने वाले नुक़सान के समय सहायता, सात पगलां खेडूत (सात क़दम किसान) कल्याण योजना के लाभालाभ आदि की विस्तार से समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने दो नगर पालिकाओं को कुल 6.43 करोड़ के आवंटन को दी सैद्धांतिक मंजूरी

- स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत किए जाएंगे विशिष्ट पहचान के कार्य

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत नगरों एवं महानगरों में विशिष्ट पहचान के कार्यों के लिए ग्रांट देने का दृष्टिकोण अपनाया है। ऐसे विशिष्ट पहचान के कार्यों के अंतर्गत नगरों की खुशहाली और जनहित के कार्यों के मार्फत संबंधित नगर की विशिष्ट पहचान स्थापित करने के कार्य किए जाते हैं। गौरतलब है कि स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत राज्य सरकार नगरों एवं महानगरों में विशिष्ट पहचान के विभिन्न विकास कार्य करने के लिए रकम आवंटित करती है।

भूपेंद्र पटेल ने ऐसे विशिष्ट पहचान के कार्यों के अंतर्गत स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत शिंगोड़ा नदी पर रिवरफ्रंट के कार्य के लिए 3 करोड़ 25 लाख रुपए के कोडीनार नगर पालिका के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। पटेल ने इन कार्यों के संबंध में प्रस्तुत की गई फिजिबिलिटी रिपोर्ट, गैप एनालिसिस स्टडी रिपोर्ट और जनरल रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए सैद्धांतिक मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने कोडीनार नगर पालिका के अलावा तळाजा नगर पालिका में भी स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत विशिष्ट पहचान के कार्यों के तहत आधुनिक टाउन हॉल के निर्माण के लिए 3 करोड़ 18 लाख रुपए के कार्यों के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इस तरह, कोडीनार और तळाजा सहित राज्य की और दो नगर पालिकाओं में कुल 6.43 करोड़ रुपए के कार्यों की स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत विशिष्ट पहचान के कार्यों के लिए मंजूरी दी गई है। वर्ष 2021-22 में अब तक राज्य की 8 नगर पालिकाओं को स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत विशिष्ट पहचान के कार्यों के लिए कुल 16.94 करोड़ रुपए के आवंटन की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है।

गुजरात में ई-व्हीकल के उत्पादन को प्रोत्साहन देने राज्य सरकार की खास पहल

- पीएम मोदी ने आत्मनिर्भरता के नए विचार से देश के टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को दी नई दिशा: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि समूची दुनिया जब कोरोना महामारी की मुश्किलों से जूझ रही थी, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतवासियों को 'आत्मनिर्भरता' का नया विचार देकर देश के टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि ई-व्हीकल की मैन्युफैक्चरिंग देश के पर्यावरण और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंद है। राज्य में ई-व्हीकल के उत्पादन को प्रोत्साहन देने की खास पहल करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के ई-व्हीकल क्षेत्र के 31 स्टार्टअप संस्थापकों और इनोवेटर्स यानी नवोन्मेषकों से बुधवार को गांधीनगर स्थित मुख्यमंत्री निवास में मुलाकात कर वन-टू-वन संवाद किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि साहस, सूझ-बूझ और काबिलियत हो तो कोई भी व्यक्ति स्टार्टअप शुरू कर सकता है। सरकार हमेशा राज्य के स्टार्ट संस्थापकों और नवोन्मेषकों के साथ खड़ी है। देश के युवा स्टार्टअप संस्थापक और नवोन्मेषक आत्मनिर्भर भारत की यात्रा के मुख्य चालक बल हैं। उन्होंने ई-व्हीकल की बैटरी, इलेक्ट्रिक मोटर, चार्जिंग और रेट्रोफिटिंग फैसिलिटी जैसे महत्वपूर्ण पार्ट्स का उत्पादन करने वाले स्टार्टअप संस्थापकों की राज्य की ई-व्हीकल प्रोडक्शन की इकोलॉजी को सुदृढ़ करने के लिए विशेष रूप से सराहना की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ई-व्हीकल क्षेत्र के स्टार्टअप संस्थापकों और नवोन्मेषकों से जरूरी सवाल पूछते हुए उनके संशोधनों के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल की। गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय (जीटीयू), गुजरात यूनिवर्सिटी स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल (जीयूएसईसी), आई-क्रिएट, आई-हब, एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) और पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (पीडीईयू) जैसे स्टार्टअप इन्क्यूबेटर संस्थानों से पहुंचे इन युवा स्टार्टअप संस्थापकों और नवोन्मेषकों ने अपने अभिनव नवाचार और उसकी वायबिलिटी यानी व्यवहार्यता तथा बाजार में उपस्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री को उत्साह के साथ तमाम जानकारियों से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जिन ई-व्हीकल निर्माताओं के साथ वन-टू-वन संवाद किया उसमें 'ग्रीन वोल्ट मोबिलिटी' स्टार्टअप के संस्थापक सार्थक बक्षी, 'मोशन ब्रिज' स्टार्टअप के संस्थापक अनंत सिंह तोमर, विद्युत व्हीकल स्टार्टअप के संस्थापक ध्रुव ठक्कर, इंजीक्यूब स्टार्टअप के संस्थापक धर्मेंद्र पटेल, राज इलेक्ट्रोमोटिव्स स्टार्टअप के संस्थापक राज मेहता, सोलर ईवी स्टेशन/पार्किंग चार्जिंग स्टार्टअप के संस्थापक शनि पंडया, टेक्नोवेट मोबिलिटी के दर्पण कड्डु, एम.सी.एस. कार्ग्र प्रा. लि. के राज अनुपम, मेरो मोबिलिटी के सारंग देशपांडे, ईवी पोर्टफोलियो के परेश पटेल और तेजस वाघेला, नक्षत्र लैब्स के पीयूष वर्मा, स्पार्क इनोवेशन्स के रितुल शाह, प्लाज्मा प्रोपल्शन के जिज्ञेश चौधरी, टीम टिंकरर्स के सचिन पंचाल, इडिथ रोबोटिक्स के प्रणव पटेल, ग्रीडन टेक्नोलॉजी प्रा. लि. के जितेश डोडिया, रायनो व्हीकल्स प्रा. लि. के विशाल धामेचा, व्हाइट कार्बन मोटर्स प्रा.लि. के प्रतीक सिंह सांखला, ई-बज मोबिलिटी एलएलपी के शिव शाह, इकोनॉमिबिलिटी इनोवेशन्स के शरद पटेल, हेल्लो स्टेक मोबिलिटी के ऋत्विज दसाड़िया, ई वेगा मोबिलिटी लैब्स के शुभम मिश्रा, सवारी ई (रेडियल सोल्युशन्स प्रा. लि.) के व्रज शाह, ट्रांजिस्टर के देवेश पटेल, आर.के. इलेक्ट्रो व्हीकल के अर्पित चौहान, आर्क ई बाइसिकल के उमंग पटेल, मोनोज के मिलन हंसालिया, ईवी रेन्टिंग/ट्रांसपोर्ट सर्विसेज के प्रचित पटेल, सोलर हाइब्रिड व्हीकल के अभिषेक शाह और ट्राइसिकल के उज्जवल शाह शामिल हैं।

अहमद पटेल के 9 रत्नों के रहते कांग्रेस का कभी उद्धार नहीं होगा : दिनेश शर्मा

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद महानगर पालिका में विपक्ष के नेता रहे दिनेश शर्मा ने आज इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस को डूबता जहाज बताया और कहा कि जब तक अहमद पटेल के 9 रत्नों के हाथ पार्टी कमान है, तब तक इसका उद्धार नहीं हो सकता। मीडिया से बात करते हुए दिनेश शर्मा ने कहा कि डॉ. रघु शर्मा गुजरात में कांग्रेस सत्ता में आए इसके लिए प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है, न कि व्यापार करने के लिए। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा अहमदाबाद शहर के नेताओं को मुलाकात का समय नहीं देते। यह मेरा अपमान है या नहीं यह राहुल गांधी तय करें। गुजरात कांग्रेस ने जिलेवार एजेंसी प्रथा शुरू की है, जो अलग अलग गुटों में बंट गई हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से मिलने का कई बार प्रयास किया है उन्होंने कभी समय नहीं दिया। अगर राहुल गांधी से मिलने का समय मिला होता तो उन्हें पता चल जाता कि उनके नौ रत्न गुजरात में अच्छा काम कर रहे हैं यह दावा गलत साबित हो जाता। राहुल गांधी के पास कोई ओहदा नहीं है तो वह किस काम व्यस्त हैं जो पार्टी कार्यकर्ताओं को मिलने का समय नहीं देते। प्रधानमंत्री से 24 घंटों में मिला जा सकता है, तो राहुल गांधी से क्यों नहीं? बता दें कि दिनेश शर्मा से पहले गुजरात प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता जयराजसिंह परमार, भरत देसाई के अलावा पूर्व विधायक हीरा पटेल समेत अनेक लोग भाजपा जॉइन कर चुके हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि दिनेश शर्मा भी जल्द ही भाजपा में शामिल हो जाएंगे।

कक्षा 10 एवं 12 की बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों का ऐलान, 28 मार्च से 12 अप्रैल तक होंगी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (जीएसईबी) ने कक्षा 10 एवं 12 की बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों का आज ऐलान कर दिया। यह परीक्षाएं 28 मार्च से 12 अप्रैल 2022 के दौरान आयोजित की जाएंगी। इस वर्ष पहली बार कक्षा 10 में गणित की 2 परीक्षाएं अलग अलग दिन ली जाएंगी। 30 मार्च को बेजिक गणित और 31 मार्च को स्टारन्डर्ड गणित की परीक्षा ली जाएगी। इस वर्ष कक्षा 10 में करीब 9.70 लाख और कक्षा 12 में 4.22 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए फार्म भरे हैं। जबकि कक्षा 12 विज्ञान संकाय में 1 लाख समेत करीब 14 लाख जितने विद्यार्थी बोर्ड की परीक्षा में शामिल होंगे। गौरतलब कोरोना संक्रमण बढ़ने के बाद सरकार ने कक्षा 10 एवं 12 की बोर्ड परीक्षा और कक्षा 9 से 11 की वार्षिक परीक्षा दो सप्ताह विलंब से लेने का फैसला किया था। ताकि कोर्स पूरा किया जा सके और खासकर कक्षा 10 एवं 12 के विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी करने पर्याप्त समय मिल सके। इस वजह से कक्षा 10 एवं 12 की बोर्ड परीक्षाएं 14 मार्च के बजाए 28 मार्च से शुरू होंगी। देर से परीक्षाएं लिए जाने के कारण स्कूलों में ग्रीष्मावकाश भी विलंब से शुरू होगा।

पीएसआई भर्ती के लिए प्रिलिमनरी परीक्षा 6 मार्च को होगी

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा पीएसआई की शारीरिक कसोटी लेने के बाद अब 6 मार्च को प्रिलिमनरी परीक्षा का आयोजन किया गया है। जानकारी के मुताबिक आगामी 6 मार्च को पीएसआई की प्रिलिमनरी परीक्षा ली जाएगी। यह परीक्षा अहमदाबाद और गांधीनगर में होगी। शारीरिक कसोटी में उत्तीर्ण सभी उम्मीदवारों को परीक्षा की तारीख याद रखें। जल्द ही परीक्षा कॉल लेटर जारी किए जाएंगे। बता दें कि दिसंबर से पीएसआई भर्ती के लिए शारीरिक कसोटी ली गई थी। जिसमें लाखों उम्मीदवार शामिल हुए थे। गत जनवरी महीने में जारी परिणाम के मुताबिक 98 हजार उम्मीदवारों को उत्तीर्ण घोषित किया गया था।

500 करोड़ के भ्रष्टाचार का आरोप मुझे बदनाम करने की साजिश : पूर्व मुख्यमंत्री

राजकोट (ईएमएस) गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर मुझे बदनाम करने की साजिश है। कांग्रेस का जहाज डूब रहा है और उसके नेता भाजपा जॉइन कर रहे हैं। इससे लोगों को ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस यह साजिश रच रही है। बता दें कि विधानसभा में विपक्ष के नेता सुखराम राठवा, उपनेता शैलेष परमार, कांग्रेस के दंडक सीजे चावडा समेत कांग्रेस नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। राजकोट नगर विकास प्राधिकरण (रूडा) में शामिल किए गए आणंदपर, नवागाम और मालियासण के अलग अलग 20 सर्वे नंबर की 111 एकड़ जमीन में 500 करोड़ का भ्रष्टाचार विजय रूपाणी ने किया होने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की थी। विजय रूपाणी ने आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि कांग्रेस जिस 500 करोड़ की बात कर रही है वह पूरी तरह निराधार है। जब जमीन ही करीब रु. 75 करोड़ की है तो उसमें 500 करोड़ का भ्रष्टाचार कैसे संभव है? विजय रूपाणी ने ट्वीट कर कांग्रेस के आरोपों का जवाब दिया। रूपाणी ने ट्वीट में लिखा '500 करोड़ रुपए तो क्या पांच रुपए का भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिसे पीलिया है, उसे सब पीला ही नजर आता है। विजय रूपाणी ने किसी भी प्रकार की जांच के लिए तैयारी दर्शाई। आगे लिखा कि सांच को भी आंच नहीं आती। कांग्रेस का जहाज डूब रहा है और उसके भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे लोगों को ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस निराधार आरोप लगा रही है।

पति पत्नी और वो

राजकोट में पत्नी ने पति की प्रेमिका का अपहरण किया

राजकोट, २३ फरवरी।

राजकोट के अवध रोड पर एक युवती घायल अवस्था में मिली थी।

उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसकी जानकारी पाते ही पुलिस भी अस्पताल में पहुंची और पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला है कि युवती का जिस युवक के साथ प्रेम संबंध था, उसकी पत्नी ने ही दो युवकों की मदद से उसका अपहरण करवा लिया था। इसके बाद हाथ-पैर बांधकर बेरहमी से उसकी पिटाई की। इतना ही नहीं, महिला ने युवती के गुप्तांग में मिर्ची पाउडर भी भर दिया था।

फिलहाल युवती का इलाज सिविल अस्पताल में चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस जांच में पता चला कि पत्नी ने पति को उसकी प्रेमिका के साथ देख लिया था। जिससे गुस्साई पत्नी ने दो साथी मित्रों के साथ मिलकर पति की प्रेमिका का अपहरण कर लिया और इसके बाद उसकी पिटाई करते हुए उसके गुप्त हिस्से में मिर्ची भर दी थी। इसके बाद हाथ-पैर बंधी हालत में ही पीड़िता को सड़क पर फेंक दिया था।

लोधिका पुलिस ने प्रेमी की पत्नी और उसके दो साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है।

शहर के पारेवडी चौक में मोहसीन और उसकी प्रेमिका साइकिल खरीदने के लिए साइकिल स्टोर पर आए थे। मोहसीन और उसकी प्रेमिका खरीदारी कर रहे थे, तभी मोहसीन की पत्नी भी वहां पर आ पहुंची। अपनी पत्नी को देखकर मोहसीन के पैरों तले मानो जमीन खिसक गई। वहीं, दूसरी ओर पत्नी का आक्रोश बढ़ गया और उसने फोन कर अपने दो परिचित युवकों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद ऑटो रिक्शा से उसका अपहरण कर अवध रोड की ओर ले गई। यहां महिला के साथ तीनों ने बेरहमी की। इसके बाद युवती को वहीं छोड़कर मोहसीन की पत्नी और उसके साथी वहां से चले गए। इस दौरान मोहसीन प्रेमिका को छोड़कर भाग निकला था।

मामलतदार ने घटना स्थल पर पहुंचकर युवती का बयान दर्ज किया। पुलिस के अनुसार युवती की उम्र ४० साल है। उसके ४ बच्चे भी है। जबकि बड़ा बेटा २० साल का है। मोहसीन ने हिंदू युवती के साथ प्रेम विवाह किया था।

कल जियाव-बुटिया तालाब में डूबे दो किशोरों के शव आज मिले

सूरत (ईएमएस) शहर के भिंडी बाजार क्षेत्र के सिद्दीकनगर में रहनेवाले दो किशोर मंगलवार को जियाव-बुडिया स्थित तालाब में नहाने गए थे। जहां पानी में डूबकर दोनों की मौत हो गई। फायर विभाग की टीम में कई घंटों की मशक्कत के बाद आज तालाब से दोनों किशोरों के बाहर निकाले। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के भेस्तान में भिंडी बाजार क्षेत्र के सिद्दीकनगर में रहनेवाले 13 वर्षीय आदिब अमजदखान पठान और 14 वर्षीय अजमेर नसीम अंजारी स्कूल से छूटने के बाद जियाव-बुटिया स्थित तालाब में नहाने गए थे। जहां दोनों किशोर गहरे पानी में डूबने लगे। खबर मिलते ही फायर विभाग की टीम तालाब पर पहुंच गई और दोनों किशोरों की तलाश शुरू कर दी। कई घंटों की मशक्कत के बाद भेस्तान फायर विभाग टीम ने आज दोनों किशोरों के शव तालाब से बाहर निकाल पुलिस को सौंप दिए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है।

कच्छ में महसूस हुए भूकंप के झटके, जानमाल का कोई नुकसान नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात के कच्छ जिले में बुधवार को 3.4 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि, इससे जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार, दोपहर 12 बजकर पांच मिनट पर भचाऊ के पास भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केन्द्र भचाऊ से 12 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पश्चिम में, 12 किलोमीटर की गहराई पर था।

अधिकारी ने बताया कि भूकंप के कारण किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। दरअसल कच्छ, अत्यधिक उच्च जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है, वहां अक्सर कम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस होते हैं। जिले में 18 फरवरी को भचाऊ के पास 3.4 और 3.1 तीव्रता के भूकंप झटके महसूस किए गए थे। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से मिली सूचना के अनुसार, जिले में जनवरी 2001 में 6.9 की तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिसमें 13,800 लोगों की जान चली गई थी जबकि 1.67 लाख लोग घायल हुए थे।

टाटा मोटर्स ने भारत का # नंबर 1 एसयूवी ब्रैंड होने का जश्न मनाया

मुंबई, 23 फरवरी 2022 : भारत के प्रमुख ऑटोमोटिव ब्रैंड टाटा मोटर्स ने एसयूवी वर्ग में अपनी नेतृत्व की स्थिति का जश्न मनाते हुए आज, ''एसयूवी का अनटेम्डज काज़ीरंगा एडिशन'' लॉन्च किया। यह मॉडल भारत के समृद्ध भौगोलिक क्षेत्र और जैविक विविधता से प्रेरित है और इसमें भारत के महान राष्ट्रीय उद्यानों को भी सम्मोन दिया गया है। एसयूवी के प्रतिष्ठित और अपनी तरह के विशेष संस्करण मे भारत की पहली और सुरक्षित सब कॉम्पैक्ट एसयूवी- द पंच, भारत की पहली जीएनसीएपी 5 स्टार रेटेड कार नेक्सॉकन, लैंडरोवर के डीएनए के साथ मिलने वाली कंपनी की प्रीमियम एसयूवी हैरियर और कंपनी की मशहूर और सबसे महत्वपूर्ण 7 सीटर एसयूवी सफारी को शामिल किया जाएगा। काज़ीरंगा संस्करण के लिए बुकिंग आज से शुरू होगी और यह संस्कएरण टाटा मोटर्स की सभी अधिकृत डीलरशिप्सा पर केवल अपने संबंधित टॉप ट्रिम्स पर उपलब्धस होगा।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड में मार्केटिंग और कस्टमर केयर विभाग के वाइस प्रेसिडेंट श्री राजन अंबा ने इस अवसर पर कहा, ''एसयूवी की दिशा में उपभोक्ताओं का झुकाव वैश्विक ट्रेंड बन चुका है। और भारत में भी यही ट्रेंड चल रहा है। हम अपनी नई फॉरएवर रेंज की एसयूवी के साथ इसी ट्रेंड पर खास ध्यान दे रहे हैं, जिसकी हमारे उपभोक्ताओं ने काफी सराहना की। हमें खुशी है कि इंडस्ट्री के मौजूदा माहौल में बाजार में उपलब्ध बेशुमार विकल्पों के बीच हम नंबर #1 एसयूवी ब्रैंड बनकर उभरे हैं। इसके लिए हम अपने सभी उपभोक्ताओं को ब्रांड में अपना भरोसा बरकरार रखने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। अपनी सफलता की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए, हमें एसयूवी का अनटेम्डए काज़ीरंगा संस्कलरण पेश करके काफी खुशी हो रही है।

महाराष्ट्र सरकार नवाब मलिक का इस्तीफा नहीं लेगी- छगन भुजबल

मुंबई, (ईएमएस)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किए गए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता तथा महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक के इस्तीफे पर महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने कहा है कि सरकार, नवाब मलिक का इस्तीफा नहीं लेगी. नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद एक बैठक भी हुई. इस बैठक में राकांपा के अध्यक्ष शरद पवार, उप मुख्यमंत्री अजित पवार, मंत्री छगन भुजबल और राजेश टोपे मौजूद थे. बैठक के बाद छगन भुजबल ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार नवाब मलिक का इस्तीफा नहीं लेगी. मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ बैठक के बाद तीनों दलों ने इस पर सहमति जताई है. भुजबल ने कहा कि नवाब मलिक को गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया था. उन्हें विपक्ष पर हमला करने की सजा मिल रही है. हम न्याय के लिए लड़ेंगे. वे (केंद्र) हमारी सरकार गिराने के लिए हमारे मंत्रियों पर दबाव बना रहे हैं. छगन भुजबल ने बताया कि शरद पवार के पास ममता बनर्जी (मुख्यमंत्री) और कांग्रेस नेताओं के फोन आए जिन्होंने अपना समर्थन व्यक्त किया.

24 फरवरी 2022 को खोडियार-गांधीनगर के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग 14 बंद रहेगा

अहमदाबाद मण्डल पर खोडियार-गांधीनगर रेलखंड के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं. 14 किमी (523/5-6) मरम्मत कार्य के लिए 24 फरवरी 2022 को प्रात: 08:00 बजे से 20:00 बजे तक बंद रहेगा।

सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान खोडियार-गांधीनगर के बीच स्थित रेलवे क्रोसिंग नं 15 किमी (523/11-12) का इस्तेमाल कर सकते है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे में नॉन-इंटरलोकिंग कार्य के चलते राजकोट मंडल की चार ट्रेनें आंशिक रूप से परिवर्तित मार्ग पर चलेंगी

दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल में स्थित मालुगुर यार्ड में नॉन-इंटरलोकिंग कार्य के चलते राजकोट मंडल की चार ट्रेनें आंशिक रूप से परिवर्तित मार्ग पर चलेंगी। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार परिवर्तित मार्ग पर चलने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 19568 ओखा-तूतीकोरिन विवेक एक्सप्रेस 25 फरवरी और 4 मार्च, 2022 को परिवर्तित मार्ग वाया गुंतकल-कुडप्पा-रेणिगुंटा-मेलपक्कम-जोलारपेट्टै होकर चलेगी। जिन स्टेशनों पर यह ट्रेन नहीं जाएगी उसमें अनंतपुर, धर्मावरम, हिंदूपुर और येलहंका शामिल हैं।
2. ट्रेन संख्या 19567 तूतीकोरिन-ओखा विवेक एक्सप्रेस 27 फरवरी, 6 मार्च और 13 मार्च, 2022 को परिवर्तित मार्ग वाया जोलारपेट्टै-मेलपक्कम-रेणिगुंटा-कुडप्पा-गुंतकल होकर चलेगी। जिन स्टेशनों पर यह ट्रेन नहीं जाएगी उसमें बंगारपेट, कृष्णराजपुरम, येलहंका, हिंदूपुर और धर्मावरम शामिल हैं।
3. ट्रेन संख्या 16613 राजकोट-कोयंबटूर एक्सप्रेस 27 फरवरी, 2022 को परिवर्तित मार्ग वाया गुंतकल-कुडप्पा-रेणिगुंटा-मेलपक्कम-जोलारपेट्टै होकर चलेगी। जिन स्टेशनों पर यह ट्रेन नहीं जाएगी उसमें गुत्ती-अनंतपुर, धर्मावरम, हिंदूपुर, येलहंका, कृष्णाराजपुरम और बंगारपेट शामिल हैं।
4. ट्रेन संख्या 16614 कोयंबटूर-राजकोट एक्सप्रेस 4 मार्च, 2022 को परिवर्तित मार्ग वाया जोलारपेट्टै-मेलपक्कम-रेणिगुंटा-गुंतकल होकर चलेगी। जिन स्टेशनों पर यह ट्रेन नहीं जाएगी उसमें बंगारपेट, कृष्णराजपुरम, हिंदूपुर, धर्मावरम, अनंतपुर और गुत्ती शामिल हैं।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबन्धित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

ऑपरेशन अमानतः राजकोट मंडल के आरपीएफ स्टाफ ने ट्रेन एवं स्टेशन पर छूटे हुए 57 यात्रियों के 7.73 लाख रु के कीमती सामान लौटाए

राजकोट मंडल के समर्पित कर्मचारी अपने सम्माननीय ग्राहकों को सुखद और सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए हमेशा आगे रहते हैं। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार इसी क्रम में 22 फरवरी, 2022 को करीब 16.10 बजे राजकोट रेलवे स्टेशन पर बैग स्कैनर डयूटी पर तैनात महिला कॉन्स्टेबल प्रियांशी दुबे को एक बैग लावारिस हालत में सर्कुलेटिंग एरिया में पड़ा होने की सूचना मिली। उन्होने इस बैग को मशीन से चेक किया और उसमें कोई संदिग्ध सामान नहीं होने की पुष्टि होने पर बैग को रेल थाने में जमा करा दिया। रेलवे सुरक्षा बल स्टाफ द्वारा 2 पंचों के समक्ष बैग खोला गया। इस बैग में कुल 32000/- रु का सामान मिला जिसमें 28000/- रु नगद, स्पोर्ट्स शूज कीमत करीब 2000/- रु और एक अमेरिकन टूरिस्टर बैग कीमत 2000/- रु शामिल हैं। बैग में मिली एक डायरी मे लिखे मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर चंचल मुखर्जी नाम के व्यक्ति नाम ने बताया कि वह गाड़ी संख्या 12950 सांतरागाछी-पोरबंदर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में सांतरागाछी से राजकोट यात्रा करके आए थे और यात्रा के बाद ट्रॉली बैग स्टेशन पर ही भूल गए थे। यह यात्री 22 फरवरी को करीब 20.00 बजे बजे रेल थाना राजकोट पोस्ट पर उपस्थित हुआ और जानकारी के पूर्ण सत्यापन के बाद बैग और उसका सारा सामान उसे लौटा दिया गया।

गौर तलब है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष में राजकोट मंडल के आरपीएफ स्टाफ द्वारा अभी तक 57 यात्रियों के ट्रेन एवं स्टेशन पर छूटे हुए करीब 7.73 लाख रु के कीमती समान को ऑपरेशन अमानत के तहत सही सलामत लौटाया जा चुका है। राजकोट डिविजन के मंडल रेल प्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन तथा मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री पवन कुमार श्रीवास्तव ने संबंधित रेलकर्मियों द्वारा की गयी त्वरित कार्यवाही, ईमानदारी और कार्य के प्रति समर्पण की सराहना की है।

बाबाहरदेव सिंह जी की स्मतिमेंनि:शुल्क नेत्र शिविर स्वच्छता एवं वक्षारोपण का आयोजन

अहमदाबाद. 23फरवरी, 2022: सन्तनिरंकारी मिशन द्वारा बाबाहरदेव सिंहजी की स्मति में संपूर्णभारत वर्षमें 100 के करीब निरंकारी सत्संग भवनोंमें नि:शुल्क नेत्र जांच शिविरों का आयोजन किया **गया इसी लड़ी में इंडीक्यूप-कुबेरनगर स्थित** निरंकारी सत्संग ***भवन पर*** डॉ ***.जे. एल. विधानी और*** डॉ ***गिरीश नरसिंघानी*** की अध्यक्षता ???210 मरीजों **की जाँच** की**गयी एवम नज़र के चश्मे दिए गये**

। इसके अतिरिक्त मोतियाबिंद से संबंधित रोगियों का ऑपरेशन सरकारी अस्पतालों में???? ?????।इन सभी अभियानोंकाआयोजन कोविड–19 के दिशा–निर्देशों की पालना करते हुए ही किया ??? । जैसाकिविदितहीहैकिनिरंकारीबाबाहरदेव सिंह जी के सानिध्य मेंसन्तनिरंकारीमिशन ने आध्यात्मिकता द्वारा विश्वकोप्रेम, दया, करुणा, एकत्त्वजैसेभावों से जोड़कर, दीवाररहितसंसार की परिकल्पना को साकार किया। उन्होंने भक्तों को आध यात्मिकता के साथ.साथ मानवता एवं प्रकृति की सेवा करते हुए अपने कर्त्तव्यो को निभाने की प्रेरणादी।वर्तमान मे इसी श्रंखला को सत्गुरु माता सुदीक्षाजी महाराज निरंतरआगे बढ़ा रहे हैं।इसी मंतव्य की पूर्ति हेतु आज 23 फरवरीको यह नेत्र जांच शिविर ???।

इसके अतिरिक्त कोरोना काल में जबसमस्त भारत वर्श के अस्पतालोंमें ऑक्सीजन की कमीहोगईथीतबमिशन की ओर से 'वननेसवनपरियोजना' के अंर्तगत 21 अगस्त, 2021 को संपूर्ण भारत वर्शमें लगभग 350 स्थानों परडेढ़ लाख के करीब वश्क्ष रोपित किये गये?? और साथ ही उनकी देखभाल करने हेतु तीन वर्षो तक गोदलेकर उनके पालन पोषण का भी संकल्प लिया गया??।

रूपीक ने भारत का पहला गोल्ड पावर्ड कार्ड पेश किया; एक अरब भारतीयों को दी जाएगी सुरक्षित ऋण तक बराबर पहुँच

बेंगलुरू, 22 फरवरी, 2022: देश के अग्रणी संपदा-प्रोत्साहित डिजिटल ऋण प्लेटफॉर्म रूपीक ने भारत का पहला गोल्ड-पावर्ड कार्ड लॉन्च किया है। इसकी मदद से करोड़ों उपभोक्ता बार-बार होने वाली ऋण की अपनी जरूरतों को अपने निष्क्रिय पड़े सोने की ताकत से पूरा करने में सक्षम होंगे। यह कार्ड हर किसी के लिये है, जिसे ज्यादातर भारतीयों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और यह प्रत्यक्ष ऋण चाहने वाले लोगों को त्वरित एवं सस्ता विकल्प देता है। यह क्रांतिकारी और अपनी तरह का पहला कार्ड है, जिसके लिये कोई सवाल नहीं किया जाता है और जो 60 मिनट से कम समय में ग्राहक के दरवाजे पर डिलीवर हो जाता है। इसकी ऋण सीमा 50 लाख रूपये तक की है। यह गोल्ड-पावर्ड कार्ड अपने सेगमेंट के पहले ऐसे फीचर्स से युक्त है, जो मौजूदा परितंत्र में किसी ने नहीं सुने हैं।

अभी यह कार्ड 14 शहरों में चालू हुआ है- बेंगलुरू, हैदराबाद, मुंबई, पुणे, चेन्नई, कोलकाता, जयपुर, राजकोट, वडोदरा, विजयवाड़ा, लुधियाना, चंडीगढ़, अहमदाबाद, और सूरत। अगली तिमाही में इसे 16 अन्य शहरों में पहुँचाने की योजना है, ताकि ऐसे गोल्ड पावर्ड कार्ड्स की छिपी हुई मांग पूरी हो सके।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95